चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 163 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26
भोपाल
06 दिसंबर 2024
शुक्रवार
आज का मौसम
28 अधिकतम
16 न्यूनतम
बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

11वीं बार बरकरार रेपो रेट व महंगाई !

रिजर्व बैंक का फैसला, ईएमआई का बोझ अभी नहीं घटेगा, 23 महीने से नो चेंज

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को लेकर आज बड़ा फैसला लिया है और तमाम अनुमानों के विपरीत रेपो रेट में इस बार भी कोई बदलाव नहीं किया है। अभी भी रेपो रेट 6.50 फीसदी पर स्थिर है। यह 11वीं बार है जब रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार फरवरी 2023 में रेटो रेट बदला था और इसे 25 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 6.50 फीसदी कर दिया था। इसके बाद से यह यथावत है। आज सुबह भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने अपने कार्यकाल की आखिरी मॉनेटरी पॉलिसी का ऐलान करते हुए कहा कि बहुमत से सदस्यों ने तय किया है कि रेपो रेट को अनचेंज रखा जाए। एमपीसी ने तय किया कि महंगाई को टारगेट पर लाने का फोकस रहेगा।

रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने नीतिगत रेपो दर को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखेगा। बैंक ने 4.2 बहुमत के साथ तटस्थ रुख बनाए रखा है। दास के अनुसार, स्थिर रेपो दर मौजूदा आर्थिक स्थितियों के प्रति सतर्क दृष्टिकोण का संकेत देती है। मौद्रिक नीति का व्यापक प्रभाव होता है, मूल्य स्थिरता समाज के हर वर्ग के लिए महत्वपूर्ण है।

उल्लेखनीय है कि आरबीआई की बैठक हर दो महीने में होती है और इसमें शामिल रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास समेत छह सदस्य महंगाई समेत अन्य मुद्दों और बदलावों पर चर्चा करते हैं। रेपो रेट का सीधा कनेक्शन बैंक लोन लेने वाले ग्राहकों से होता है। इसके कम होने से लोन की ईएमआई घट जाती है और इसमें इजाफा होने से ये बढ़ जाती है। दरअसल, रेपो रेट वह दर है जिस पर किसी देश का केंद्रीय बैंक धन की किसी भी कमी की स्थिति में वाणिज्यिक बैंकों को पैसा उधार देता है। रेपो रेट का उपयोग मौद्रिक अधिकारियों द्वारा इंफ्लेशन को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।

बैंकों का सीआरआर घटाया

हालांकि आरबीआई ने बैंको को सीआरआर घटाकर तोहफा दिया है। इससे बैंकों के पास कैश फ्लो की कमी नहीं होगी। व ?योंकि पिछले कुछ समय से कहा जा रहा था कि बैंक कैश की समस्या से जूझ रहे है, । आरबीआई का फैसला बैंकों को लिक्विडिटी की समस्या से दूर करेगा। इससे पहले अक्टूबर 2022 में सीआरआर में बदलाव किया गया था। अब 24 महीने के बाद बदलाव से सिस्टम में 1.16 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त आएगा।

दिल्ली बार्डर पर गहमागहमी

किसानों का दिल्ली कूच, बिना ट्रेक्टर ट्राली पैदल बढ़ने की कोशिश

नई दिल्ली.एजेंसी

पंजाब-हरियाणा बॉर्डर से किसान एक बार फिर दिल्ली कूच करने निकल पडे हैं। इसे लेकर भारी गहमागहमी है। किसानों ने इसे 'दिल्ली चलो' आंदोलन नाम दिया है, जिसमें शंभू बॉर्डर पर 8 महीने से धरना दे रहे किसान आज ट्रैक्टर-ट्रॉली के बिना पैदल ही दिल्ली की तरफ बढ़ने की कोशिश में है। आंदोलन को देखते हुए हरियाणा-और दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा-व्यवस्था कड़ी कर दी है। हरियाणा सरकार ने अंबाला (शंभू बॉर्डर) में धारा 144 लागू कर दी है। सार्वजनिक सभाओं और जुलूसों पर लगा दी गई है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है. ड्रोन और वाटर कैनन का अरेंजमेंट भी किया गया है। शंभू बॉर्डर पंजाब के पटियाला और हरियाणा के अंबाला को जोड़ती है। किसान अपनी 12 मांगों को लेकर इस बार दिल्ली मार्च कर रहे हैं. इसमें एमएसपी गारंटी, मुआवजा और पेंशन से लेकर स्वामीनाथन आयोग रिपोर्ट के सुझाव लागू करने की मांग तक शामिल है।

लोकसभा में भी नोंकझोंक, कार्रवाई सोमवार तक हुई स्थगित

राज्यसभा में कांग्रेस सांसद की सीट पर मिली नोटों की गड्डी, जमकर हंगामा

नई दिल्ली.एजेंसी

संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की आज 69वीं पुण्यतिथि के मौके पर संसद परिसर में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।जबकि भीतर लोकसभा में जमकर हंगामा भी हुआ। उधर राज्यसभा में कांग्रेस के बेंच पर नोटों की गड्डी मिलने पर सदन में जबरदस्त हंगामा हुआ है। सभापति ने खुद ये बात सदन में कही। उन्होंने कहा है कि ये गंभीर मामला है और इसकी जांच हो रही है। दरअसल, शुक्रवार को सभापति जगदीप धनखड़ ने जानकारी दी, कि कल (गुरुवार) सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने हमें जानकारी दी कि सीट नंबर 222 से कैश मिला है। यह सीट तेलंगाना से सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को अलॉट की गई है। इस मामले में नियमों के मुताबिक जांच होनी चाहिए और यह हो भी रही है. हालांकि लोकसभा में भी जमकर हंगामा रहा और दोपहर तक स्थगित भी करना पडी। अडानी मुद्दे पर एक दिन पहले भी विपक्षी सदस्यों ने संसद में हंगामा किया था और आज भी कांग्रेस सांसद मनिक्कम टैगोर ने लोकसभा में इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू लोकसभा स्पीकर ओम बिरला जैसे ही आसन पर आए, सदस्यों ने जय संविधान के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस पर भड़के स्पीकर ने कहा कि आप सदन नहीं चलाना चाहते? सदन गरिमा से चलेगा मैं सदन की गरिमा नहीं गिरने दूंगा। दूसरी तरफ संसद के लॉन में अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर प्रधाननमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच संसद परिसर में बातचीत भी हुई। दोनों को गर्मजोशी से बात करते और हंसते देखा गयो। इस दौरान उपराष्टपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्टपति रामनाथ कोविंद, लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला भी मौजूद थे।

सत्ता पक्ष को बताया चिल्लर

नोटों वाले मामले में जब खरगे बोलने के लिए उठे तो धनखड़ ने उन्हें नोटों के बंडल के मुद्दे पर ही बोलने की ताकीद की। तो खरगे ने कहा जब तक मैटर की जांच हो रही है तबतक किसकी सीट से मिला है बंडल, उसका नाम नहीं बोलना चाहिए। जब भाजपा सदस्य हंगामा करने लगे तो खरगे ने कहा ऐसा चिल्लर काम करके करके देश को बदनाम कर रहे हो। वहीं सिंघवी ने कहा कि मैं 5सौ रुपये लेकर संसद जाता हूं। कल तीन मिनट संसद में रहा।

नर्मदापुरम समिट में विदेशी निवेशकों भी, सीएम ने की चर्चा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राज्य की यादव सरकार रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव की श्रंखला में अब नर्मदापुरम में कल होने वाली समिट को लेकर व्यस्त है। आज मुख्यमंत्री मोहन यादव इस अंचल के उद्योगपतियों से वर्चुअल मुखातिब हैं। वे शाम को पचमढ़ी जाने से पहले भी कुछ देर नर्मदापुरम में रुकेंगे। इससे पहले सरकार उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर में ऐसी समिट कर चुकी है। कल नर्मदापुरम के आईटीआई परिसर में समिट के दौरान नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल जिलों में व्यापार की संभावनाओं को लेकर चर्चा व करार होंगे। इस दौरान सीएम उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा करेंगे। कल कॉन्क्लेव में कनाडा, मलेशिया, वियतनाम, मेक्सिको, नीदरलैंड समेत अन्य देशों के इन्वेस्टर भी आ रहे हैं।

मरीजों से मिले सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री मोहन यादव बीती आधी रात के बाद ईदगाह हिल्स स्थित जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल में उपचाररत रोगियों से भेंट करने पहुंचे। उन्होंने मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली एवं चिकित्सकों को समुचित उपचार के निर्देशदिए। यादव ने आर्थिक रूप से कमजोर सीधी जिले की तारा पांडे के उपचार के लिए होने वाले व्यय का भुगतान शासन की ओर से करने की बात कही।

बाबरी ध्वंस की बरसी पर कड़ी सुरक्षा, ड्रोन से निगरानी

लखनऊ। 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद ध्वंस की घटना के चलते उप्र में खास सुरक्षा है। वर्ष 92 में बाबरी मस्जिद को ढहा दिया गया था। इस साल भी उत्तर प्रदेश पुलिस अलर्ट पर है। अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, आगरा, संभल, कानपुर और लखनऊ समेत राज्य के 26 जिलों में पुलिस टीम को अलर्ट पर रखा गया है। चूंकि आज जुमे का दिन भी है। आज हिंदू संगठनों ने मथुरा स्थित शाही ईदगाह में जलाभिषेक की अपील की है, और यहां एक हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। दो दिन पहले राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संभल हिंसा को लेकर जरूरी समीक्षा के निर्देश दिए थे।

मेट्रो एंकर

इस प्रजाति की औसत उम्र ही 40 साल...

दुर्लभ घटनाः 74 साल की उम्र में चिड़िया विजडम ने अंडा दिया!

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया की सबसे बुजुर्ग जंगली चिड़िया ने सभी मुश्किलों को पार करते हुए आखिरकार 74 वर्ष की उम्र में एक और अंडा दे दिया। विजडम नामक लेसन अल्बाट्रॉस चिड़िया को इस सप्ताह हवाई के पास प्रशांत महासागर में मिडवे एटोल राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य में अपने नए अंडे की देखभाल करते और अपने साथी के साथ बातचीत करते हुए रिकॉर्ड किया गया है। विजडम नाम की इस चिड़िया की प्रजाति के अन्य पक्षी आमतौर पर 12 से 40 साल तक ही जीवित रहते हैं। ऐसे में इतने दिनों तक जिंदा रहना और इस उम्र में अंडा देना एक रोचक और दुर्लभ घटना बन गई है। विजडम को पहली बार 1956 में टैग किया गया था। जब वह लगभग पांच साल की थी। पक्षी-प्रेमी उसके विशिष्ट' 333 टैग से परिचित हैं। बताया जाता है कि अल्बाट्रॉस का आखिरी अंडा 2021 में फूटा था और माना जाता है कि उसने अपने जीवनकाल में 30 से ज्यादा बच्चे दिए हैं। यूएस फिश एंड वाइल्डलाइफ सर्विस ने विजडम की एक नई साथी के साथ अपने अंडे को पालते हुए तस्वीरें खींचीं हैं। इस जानकारी को यूएस फिश एंड वाइल्डलाइफ़ सर्विस ने अपने हैंडल से एक्स पर एक वीडियो के साथ शेयर किया है। पोस्ट में बताया गया है कि दुनिया की सबसे पुरानी जंगली चिड़यिा विजडम एक नए साथी के साथ वापस आ गई है और उसने अभी एक और अंडा दिया है।

लगभग 74 साल की उम्र में, समुद्री पक्षियों की रानी पिछले हफ्ते मिडवे एटोल नेशनल वाइल्डलाइफ़ रिफ्यूज में लौटी और एक नर के साथ बातचीत शुरू की। अल्बाट्रॉस की तरह विजडम अपने साथी के साथ फिर से मिलने के लिए हर साल उसी घोंसले के स्थान पर लौटती है और यदि सक्षम होती है, तो एक अंडा देती है। दशकों तक वह एक ही साथी, अकेकामाई के साथ ऐसा करती रही, लेकिन उस पक्षी को कई वर्षों से नहीं देखा गया है। उसके जीवनकाल में ही चूजे उड़ गए। जीवविज्ञानियों ने पहली बार 1956 में विजडम की पहचान की और उसे बैंड किया, जब उसने एक अंडा दिया था और बड़े समुद्री पक्षियों के बारे में यह नहीं पता है कि वे 5 साल की उम्र से पहले प्रजनन करते हैं।

तस्वीरों में चिड़िया की टैगिंग

एक्स पर शेयर की गई तस्वीरों और वीडियो में भी 74 साल की विजडम को उसके जाने-माने बैंड नंबर'333 के साथ देखा जा सकता है. भविष्य की पहचान के लिए उसके नए साथी को बैंड किया गया। मिडवे एटोल एनडब्ल्यूआर में पर्यवेक्षक वन्यजीव जीवविज्ञानी जॉन प्लिसनर ने चार साल में विजडम के पहले अंडे को 'एक दुर्लभ घटना' कहा। ऐसा लगता है कि उसके पास अभी भी एक और चूजे को पालने की ऊर्जा है

पुल बनकर तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। हबीबगंज रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर तक मेट्रो और रोड का काम चल रहा है पुल बनकर तैयार है उद्घाटन है – फोटो निर्मल व्यास

नए शोध में हुआ खुलासा

सडन कॉर्डियक अरेस्ट के बढ़ते मामलों की वजह हार्मोन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सडन कॉर्डियक अरेस्ट के बढ़ते मामलों की वजह दिमाग से दिल में उतर रहा एक हार्मोन भी जिम्मेदार है। नए शोध के मुताबिक दिल की गति को नियंत्रित करने वाला कैटेकोलामाइन हार्मोन जब ज्यादा रिलीज हो जाता है तो धड़कनों को रोक देता है और मौत का कारण बनता है। एम्स दिल्ली में हुए अंतरराष्ट्रीय फार्माकोलॉजी सम्मेलन में बताया गया कि अब इसके लिए दवा की खोजी जा रही है ताकि इससे बचा जा सके। भोपाल के चिकित्सकों ने बताया कि यहां हार्ट एक्सपर्ट डॉ. एनएस ढल्ला ने जानकारी दी कि कीमोथेरेपी से भी हार्ट की समस्या पैदा होती है। जो आगे चल कर हार्ट से जुड़े रोगों का कारण बनती है। देखा गया है कि 80 फीसदी कैंसर रोगियों की मौत हार्ट डिजीज के कारण होती है। इसका मुय कारण कैंसर के इलाज के लिए दिया जाने वाले ट्रीटमेंट का साइडइफेक्ट है। अब जल्द इन दोनों समस्याओं को कम करने के लिए नई दवाएं आएंगी। इनकी खोज की जा रही है।

कैटेकोलामाइन हार्मोन के कार्य: हृदय गति और रक्तचाप को नियंत्रित करना श्वसन दर को नियंत्रित करना तनाव और डर की प्रतिक्रिया में शामिल होना, पुरस्कार, आनंद, और सीखने की प्रक्रिया में शामिल होना, व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करना

दिल की गति को नियंत्रण करता है यह हार्मोन, ज्यादा रिलीज होने से होती है मौत: सडन कॉर्डियक अरेस्ट के लिए कैटोकोलामाइन हार्मोन मौत का जिम्मेदार है।

फीसदी कैंसर मरीजों की मौत: एड्रेनालाईन~ यह हार्मोन तनाव, डर, और उत्तेजना की स्थिति में रिली? होता है। यह हृदय गति, रक्तचाप, और श्वसन दर को बढ़ाता है। नॉरएड्रेनालाईन~ यह हार्मोन तनाव, डर, और उत्तेजना की स्थिति में भी रिलीज होता है। यह हृदय गति, रक्तचाप, और श्वसन दर को बढ़ाता है।

डोपामाइन: यह हार्मोन पुरस्कार, आनंद, और सीखने की प्रक्रिया में शामिल होता है। यह हार्मोन व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

पक्की सड़क के किनारे घास की पट्टी से रोकेंगे प्रदूषण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पीडब्ल्यूडी की सड़कों को धूल मुक्त करने के लिए विभाग अपनी सड़कों के किनारे करीब दो फीट की घास की पट्टी यानी ग्रेजिंग कराएगा। इसके लिए पीडब्ल्यूडी ने सर्वे शुरू किया गया है, ताकि पता चले कहां इसे विकसित किया जा सकता है। एक सप्ताह में रिपोर्ट तैयार की जाएगी। विभाग का मानना है कि पक्की सड़क के किनारे कच्ची जगह पर ग्रेजिंग वाहनों से उड़ते धूलकणों को सोखकर प्रदूषण घटाएगी। विदेशों में ग्रेजिंग आम है। भोपाल में नर्मदापुरम रोड बीआरटीएस किनारे इसे देखा जा सकता है। सड़क किनारे घास पट्टी के लिए स्थानीय जलवायु और मिट्टी के अनुसार टिकाऊ और कम पानी की आवश्यकता वाली घास चुनें, जैसे बरमुडा ग्रास, दूब घास, या वेटिवर ग्रास। घास को पतली पट्टियों में लगाएं, जिससे वाहनों की एग्जॉस्ट और धूल आसानी से अवशोषित हो सके। इसकी नियमित सिंचाई और कटाई करें। अधिकारियों ने बताया कि अभी सर्वे कर रहे हैं। स्थिति सामने आएगी तभी स्पष्ट होगा कि कहां ग्रेजिंग की जा सकती है।

क्लाइमेट एक्शन प्लान

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने कई जगह ग्रीन कॉरिडोर प्रोजेक्ट्स के तहत सड़क किनारे हरियाली विकसित की है। राज्य सरकारें भी स्मार्ट सिटी और क्लाइमेट एक्शन योजनाओं के तहत यह उपाय लागू कर रही हैं। इससे न केवल प्रदूषण कम होता है, बल्कि सड़कों का सौंदर्य भी बढ़ता है और पर्यावरण संतुलन में सुधार होता है। घास की पट्टी हवा में उड़ने वाली धूल और मिट्टी के कणों को अवशोषित करती है, जिससे वायु प्रदूषण कम होता है। सड़क पर चलने वाले वाहनों से निकलने वाले छोटे-छोटे कण पीएम 2.5 और पीएम 10 को रोकने में यह प्रभावी है। बारिश के दौरान घास की पट्टी पानी के बहाव को धीमा करती है, जिससे मिट्टी का कटाव नहीं होता है। घास और पौधे शोर को अवशोषित करते हैं। अन्य हानिकारक गैसों को अवशोषित करके वातावरण की गुणवत्ता सुधारते हैं। सड़कों के आसपास के क्षेत्र का तापमान कम करने में मदद करती है। यह वर्षा जल को जमीन में रिसने में मदद करती है, जिससे जल स्तर बेहतर होता है।

वित्तीय सुरक्षा को लेकर विशेषज्ञों ने छात्राओं को जागरूक किया

संत कॉलेज में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल और वाणिज्य विभाग ने निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड और मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस, कारपोरेट रिस्पांसिबिलिटी पर चर्चा हुई। इस अवसर पर विशेष विशेषज्ञ के रूप में डॉ. सारिका आर. लोहाना पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट, लाइफ कोच और एन एल पी मास्टर ट्रेनर उपस्थित थी। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने युवाओं के लिए वित्तीय शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वित्तीय सुरक्षा सभी के लिए अनिवार्य है। साथ ही यह जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। इससे हम सीखते है कि छोटे रूप में बचत आरंभ करके हम ब? स्तर तक जा सकते हैं। विशेष अतिथि डॉ. सारिका ने सेबी एवं सिक्योरिटी मार्केट, इनकम, एक्सपेंसस, सेविंग, फाइनेंशियल गोल्स के साथ शेयर मार्केट तथा स्टॉक मार्केट पर विस्तार से बात की। पी.पी.टी. के माध्यम से शेयर मार्केट को समझाया स्मार्ट निवेश की बात करते हुए उन्होंने बताया कि जब से हम पैसे कमाने की शुरुआत करते है तभी से बीस प्रतिशत की बचत आरंभ कर देनी चाहिए। इससे कुछ वर्षों में ही बेहतर परिणाम मिलते हैं। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने वित्तीय संबंधी जिज्ञासा का समाधान किया।

लक्ष्मण नगर रोशन हुआ, हाईमास्क लगा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

लक्ष्मण नगर में हाई मास्क लाइट का उद्घाटन कांग्रेस नेता नरेश ज्ञानचंदानी ने किया। इस मौके पर पार्षद अशोक मारन, अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी, कर्नल नारायण पारवानी, सुरेश वासवानी, सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व डायरेक्टर नरेश गिदवानी, डॉ ज्ञानसहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जांच शिविर में 80 बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण हुआ

हिरदाराम नगर. ज्वाला कान्वेंट स्कूल में गुरुवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. दिलीप चोटरानी ने अपनी टीम के साथ 80 बच्चों की सेहत की जांच की। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्य राज बतरा मौजूद रहे। डॉ चोटरानी ने पालकों से को मोबाइल तथा टीवी से दूर रखने तथा रात 1 बजे से पहले ही सुलाने को कहा। फास्ट फूड से बच्चों को दूर रखें और ग्रीन वेजिटेबल के साथ बच्चों को सीजनल फ्रूट देने को कहा।

मेट्रो एंकर

63 दुकानदारों को दिए हैं प्रशासन ने नोटिस

हंगामें के बीच सर्विस लेन के लिए दुकानों का टूटना शुरू

हिरदाराम नगर. एजेंसी

बैरागढ़ फाटक रोड पर जिला प्रशासन ने ओवर ब्रिज के पास सर्विस रोड बनाने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस बल की मौजूदगी में पांच दुकानों को हटाया गया। व्यापारियों ने विस्थापन की मांग को लेकर हंगामा किया। बता दे प्रशासन ने प्रशासन ने 63 दुकानदारों को नोटिस जारी किए हैं। बैरागढ़ रेलवे फाटक पर वाहनों के अटके की दशकों पुरानी समस्या को खत्म करने के लिए ओवर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है, ब्रिज निर्माण का काम अंतिम दौर में है। रेलवे के हिस्से का काम बाकी है। ब्रिज के सर्विस लेने में 63 निर्माण बाधा है, जिन्हे तोड़फोड़ का नोटिस प्रशासन ने जारी किया था। जिसके चलते गुरूवार को जिला प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की। शुरूआत में व्यापारियों ने विरोध किया, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में जेसीबी से पांच दुकानों को पूरी तरह तोड़ा गया। प्रशासन का कहना है कि जो दुकानें हटाई गई हैं, वह शासकीय जमीन पर थी। कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। अपर कलेक्टर सहित जिला प्रशासन के तमाम अधिकारी की मौजूदगी में कार्रवाई की गई।

पंचायत ने विधायक से बात की: पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष माधु चांदवानी का कहना है व्यापारी आए थे। मामले में विधायक रामेश्वर शर्मा से फोन पर चर्चा की है। विधायक ने बताया कि शासकीय जमीन पर कब्जों को हटाया जा रहा है। दस्तावेज की जांच कर कार्रवाई होगी। दुकानदारों के विस्थापन के प्रयास किए जाएंगे।

किरण वाधवानी गायन के लिए हुईं सम्मानित

हिरदाराम नगर. एजेंसी

स्वर रचना संगीत अकादमी द्वारा सदाबहार गीतों का अयोजन राज्य संग्रहालय में किया गया, जिसमें के आयोजक रश्मि दुबे व विवेक दुबे ने 65 गाने गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किरण वाधवानी, सुरेश गर्ग थे। वाधवानी ने जाने चले जाते हैं, जहां दुनिया से जाने वेले गाना गया। अच्छे गायन के लिए वाधवानी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में चुन्नी लाल जेठानी, सुरेश तनवानी, रामचंद सभनानी ने भी गाना गाया। विवेक नागुरकर, अर्पिता सक्सेना, राजेश परते, शोभा निवेदिता व्यास ने भी प्रस्तुतियां दीं।

मंत्री बोले- खाद उर्वरक विभाग का मामला, हकीकत: ऐसा विभाग ही नहीं !

मंत्री के अटपटे बयान से किसान नाराज, बोले- मंत्री ने माफी नहीं मांगी तो खाद मांगने उनके घर जाएंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र ही नहीं, देशभर में किसान खाद की कमी से जूझ रहे हैं। इस संकट के कारण रबी फसल की बुवाई तक लेट हो चुकी है। किसान हताश और निराश है। ऐसे में मप्र के कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना की ओर से किसानों को निराश करने वाला एक बयान आया है, जिसमें उन्होंने पहले तो खाद की कमी से ही इंकार कर दिया। फिर कहने लगे कि खाद पर्याप्त है, केवल बांटने के स्तर पर गड़बड़ी हो रही है। इसके लिए भी वह जिम्मेदार नहीं है बल्कि यह उर्वरक विभाग और सहकारिता विभाग का मामला है। मंत्री ने यह बयान भोपाल में मीडिया से हुई बातचीत में दिया है। हकीकत में उर्वरक नामक प्रदेश में कोई विभाग ही नहीं है। जहां तक सहकारिता विभाग भी सीधे तौर पर खाद से नहीं जुड़ा है। पूरी जिम्मेदारी कृषि विभाग की है, एदल सिंह कंषाना इसी विभाग के मंत्री है। प्रदेश में खाद की किल्लत किसी से छुपी नहीं है। लगभग हर जिले में लाइनें लग रही है, फिर भी जरुरत का खाद नहीं मिल रहा है। किसानों को कई बार हल्के बल प्रयोग का सामना करना पड़ चुका है तो वहीं कुछ किसानों को जेल की हवा भी खानी पड़ चुकी है। आए दिन कमी से जुड़े घटनाक्रम सामने आ रहे हैं, खुद कृषि मंत्री के गृह जिले मुरैना में किसान सिर के नीचे ईंट रखकर रात गुजार चुके हैं।

कांग्रेस का हल्ला बताया

कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा कि खाद संकट तो कांग्रेसियों का हल्ला है। यदि किसी जिले व तहसील में खाद की कमी है तो मुझे बताए मैं खुद पहुंचवाऊंगा। फिर पूछने लगे कि कौन से जिले और कौनसी तहसील में खाद की आवश्यकता है। खाद खरीदी केंद्रों पर किसानों की बढ़ती भीड़ का कारण यह है कि लोग एक दुकान से खाद न मिलने पर दूसरी दुकानों पर चले जाते हैं जहां 20-50 लोग जमा हो जाते हैं। दावा करते हुए कहा कि प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है, केवल कांग्रेस आरोप लगा रही है, जो निराधार है।

सीएम ने विदेश से लौटते ही बुलाई थी बैठक

उधर खाद संकट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सीएम डॉ. मोहन यादव खुद इसको लेकर गंभीर है, उन्होंने विदेश से लौटते ही 30 नवंबर की शाम खाद मामलों को लेकर सीएस अनुराग जैन समेत अधिकारियों को तलब कर लिया था। सीएम ने कहा था कि खाद की कमी से जुड़ी कोई सूचना सोशल मीडिया पर भी मिल रही हो तो उस पर संज्ञान लें। रैक के माध्यम से जहां खाद नहीं पहुंच पा रही है, वहां सड़क मार्ग से पहुंचाएं। केंद्रीय मंत्रीद्वय व अधिकारियों से संपर्क बनाएं।

मंत्री की होती है पूरी जिम्मेदारी

प्रदेश के अंदर कितने रकबे में बुवाई होती है और उस आधार पर कितना खाद लगेगा, इसका आंकलन जिलों में कलेक्टर कृषि विभाग से कराते हैं। इसमें सहकारी समितियों से बीते वर्षों में बांटे गए खाद का डाटा उपयोग किया जाता है। केंद्र को खाद की मांग वाला पत्र कृषि विभाग के जरिए जाता है। आवंटन के लिए भी कृषि विभाग के अधिकारी संपर्क में रहते हैं। जिलों में खाद का बंटवारा शासन स्तर से होता है, जो कि कृषि विभाग करता है। सहकारिता विभाग के जरिए मार्कफेड व सहकारी सोसाइटियां तो केवल खाद का वितरण करने में सहयोग करती हैं।

मुख्यमंत्री लें, मंत्री कंसाना का इस्तीफा

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कृषि मंत्री कंषाना के बयान को हकीकत से परे बताया और कहा कि किसान गांव-गांव में परेशान है। लाठिया खा रहे हैं, केंद्रों रतजगा कर रहे हैं। खाद की कमी के कारण बुवाई तक लेट हो चुकी है। और कृषि मंत्री को यही नहीं पता कि खाद वितरण की व्यवस्था क्या है, ऐसे मंत्री का सीएम को इस्तीफा ले लेना चाहिए। यह सरकार की विफलता है।

छग के उप मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष से मिले एनआईटीटीआर निदेशक

इमर्जिंग एवं फ्यूचर टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में अनुसंधान, नवाचार और कौशल पार्क की स्थापना पर की चर्चा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीआर) के निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी ने छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं तकनीकी शिक्षामंत्री विजय शर्मा से मुलाकात की। इस भेंट में निटर भोपाल के विस्तार केंद्र रायपुर, में इमर्जिंग एवं फ्यूचर टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में अनुसंधान, नवाचार और कौशल पार्क की स्थापना पर विस्तृत चर्चा की एवं विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की कॉपी भेट की। इस केंद्र पर ड्रोन प्रौद्योगिकी पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम, प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव दिया गया है। उप मुख्यमंत्री एवं तकनीकी शिक्षामंत्री विजय शर्मा ने इस केंद्र की स्थापना में उत्सुकता दिखाई। निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी ने डॉ रमन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष रायपुर, छत्तीसगढ़ से भी मुलाकात की एवं नया रायपुर के ग्राम बेन्द्री में 4.0 हेक्टेयर भूमि राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीआर) भोपाल के विस्तार केंद्र रायपुर की स्थापना हेतु आवंटित करने के लिए आभार व्यक्त किया। प्रो. सी.सी त्रिपाठी ने डॉ. एस. भारती दासन, सचिव, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार से भी मुलाकात की और संसथान के विभिन्न गतिविधियों में छत्तीसगढ़ राज्य की प्रतिभागिता के बारे में विचार विमर्श किय। इस अवसर पर प्रो. पराग दुबे एवं राजेश दीक्षित उपस्थित थे।

14 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत, प्रचार रथ हुआ रवाना

भोपाल। 14 दिसंबर 2024 को वर्ष 2024 की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन एवं लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रचार वाहनों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने जिला न्यायालय भोपाल से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहनों द्वारा नेशनल लोक अदालत की जिंगल्स एवं फ्लेक्स बैनर के माध्यम से नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार भोपाल के विभिन्न शहरी व सुदूरवर्ती ग्रामों में किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश सहित, विशेष न्यायाधीश राजार्षि श्रीवास्तव, जिला न्यायाधीश, सचिव आरती शर्मा, जिला न्यायाधीश शैलजा गुप्ता, जिला न्यायाधीश संतोष कौल, नगर निगम मजिस्ट्रेट तरूणेन्द्र प्रताप सिंह, अति. पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, पुलिस उपायुक्त श्रद्धा तिवारी, नगर निगम सहायक आयुक्त एकता अग्रवाल सहित जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष दीपक खरे एवं महासचिव मनोज श्रीवास्तव तथा संघ के अन्य पदाधिकारीगण एवं विद्युत विभाग के महाप्रबंधक बी.बी.एस. परिहार सहित विद्युत विभाग के उप-महाप्रबंधक, यातायात पुलिस से सहायक पुलिस आयुक्त एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी विभागों एवं अभिभाषक संघ के पदाधिकारियों के साथ लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

राज्यपाल आईईएस विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में हुए शामिल, किया शुभारंभ

दीक्षांत, शिक्षा और संस्कारों के साथ राष्ट्र सेवा के संकल्प का प्रसंग: राज्यपाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने आईईएस विश्वविद्यालय भोपाल के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुए और समारोह का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर राज्यपाल पटेल ने कहा कि दीक्षांत, विद्यार्थियों के लिए शिक्षा और संस्कारों के साथ राष्ट सेवा के संकल्प का प्रसंग है। अपनी बौद्धिक, सांस्कृतिक परम्पराओं और संस्कारों को पोषित और पल्लवित करने की प्रतिबद्धता का अवसर है। उन्होने कहा कि दीक्षित विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी विकसित भारत के अमृत प्रसंग की प्रतिनिधि पी?ी है। आपकी पी?ी सौभाग्यशाली है जिन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा राष्ट निर्माण की प्रक्रिया में योगदान का ऐतिहासिक अवसर मिला है। राज्यपाल पटेल ने दीक्षांत समारोह में राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति, समाजसेवी पद्मश्री अशोक भगत और कारगिल युद्ध के परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर योगेन्द्र सिंह यादव को मानद उपाधि प्रदान की। इस अवसर पर दीक्षित विद्यार्थियों और विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों को उपाधि और पदक प्रदान किए। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद थे।

500 से आधिक छात्रो को पीएचडी, पीजी और यूजी डिग्रियां एवं गोल्ड मेडल: आईईएस यूनिवर्सिटी 500 से आधिक छात्रो को पीएचडी, पीजी और यूजी डिग्रियां एवं गोल्ड मेडल से नवाजा गया। दीक्षांत समारोह में आईईएस यूनिवर्सिटी के चांसलर, रजिस्ट्रार, डीन एवं सभी डिपार्टमेंट के एचओडी, फैकल्टि मेम्बर के साथ लगभग 1500 से आधिक छात्र माजूद रहे।

विकसित भारत यंग लीडर्स संवाद का हिस्सा जरूर बने: राज्यपाल पटेल ने कहा कि युवा, कैसा विकसित भारत देखना चाहते है, उसके लिए सरकार को क्या और कैसे करना चाहिए, इन पर अपने विचार सरकार के शीर्ष स्तर तक पहुँचा सकते है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि 12 जनवरी 2025 के ऐतिहासिक प्रसंग के अवसर पर विकसित भारत यंग लीडर्स संवाद का हिस्सा जरूर बने। विकसित भारत से संबंधित रोचक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता, ब्लॉक और निबंध लेखन की राज्य और राष्टीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग ले।

विद्यार्थी भारत की समृद्ध ज्ञान परम्परा से जुड़े, सतत अध्ययन करें: उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि भारत की ज्ञान परम्परा वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित है। विद्यार्थी भारत की समृद्ध ज्ञान परम्परा से जुड़े, सतत अध्ययन करे, अपने स्तर पर आगे बढ़ाने सहभागिता करे और इस पर हमेशा गर्व करें। उन्होंने विश्वविद्यालय और दीक्षित विद्यार्थियों को प्रथम दीक्षांत समारोह की बधाई भी दी। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति ने भी दीक्षित विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने, चुनौतियों से जुझने और आत्म मंथन प्रक्रिया पर ज्ञानवर्धक और प्रेरक उद्बोधन दिया।

उपद्रवी समझकर जिस महिला को जेल भेजा, उसके घर खाद लेकर पहुंचे सपा अध्यक्ष

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में खाद संकट से जुड़ी घटनाओं के बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव शिवपुरी जिले के छीकरी करैरा में एक महिला के घर पहुंचे। वह साथ में खाद की बोरी लेकर भी गए थे। उन्होंने महिला व उसके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और कहा कि यदि खाद की और भी जरुरत होगी तो वह उपलब्ध कराई जाएगी। बीते दिनों महिला गौरा कुशवाहा को जेल जाना पड़ गया था। वह खाद लेने गई थी, जहां अफरा-तफरी मच गई। जिसे उपद्रवी होने की आशंका में जेल भेज दिया गया था। जब इसकी जानकारी सामने आई तो विपक्ष ने उक्त मामले को उठाया था। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव का कहना है कि खाद संकट के बीच जूझती महिला को जेल भेजने वाले अधिकारियों को भी जेल भेजा जाना चाहिए।

यूपीएससी-एमपीपीएससी की फी कोचिंग हुई शुरू, अपर मुख्य सचिव ने किया शुभारंभ

मैरिट से चयनित डेढ़ सौ बच्चों को कराई जाएगी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) और एमपीपीएससी (मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग) की फ्री कोचिंग शुरू हुई है। अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता ने गुरुवार को इसका शुभारंभ किया। मैरिट से चयनित डे? सौ बच्चों को राजधानी के शासकीय हमीदिया आर्ट्स एवं कॉमर्स कॉलेज गिन्नौरी में कॉम्पिटेटिव एग्जाम की तैयारी कराई जाएगी। बता दें कि फ्री कोचिंग की कुल 150 सीटों के लिए 900 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था। ये रजिस्ट्रेशन अक्टूबर में किए गए थे। 24 नवंबर को हुए टेस्ट में 628 स्टूडेंट्स बैठे थे। इस हिसाब से प्रत्येक 4 में से 1 स्टूडेंट का सिलेक्शन कोचिंग के लिए किया गया।

सही दिशा में निरंतर कठिन परिश्रम करने से निश्चित सफलता मिलती है-एसीएस केसी गुप्ता: एसीएस केसी गुप्ता ने कहा है कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में निश्चित सफलता के लिए लगन, मेहनत और बुद्धि के साथ निरंतरता बहुत आवश्यक है। सही दिशा में निरंतर कठिन परिश्रम करने से निश्चित सफलता मिलती है। इसलिए समयबद्ध और सही दिशा में ईमानदारी से तैयारी करें, क्योंकि आजका कठिन परिश्रम एक दिन शानदार परिणाम देगा। उन्होंने कहा कि इंटरव्यू का डर अपने मन से हटा दें, क्योंकि मुख्य परीक्षा की तैयारी तक आप इस लायक हो जाएंगे कि प्रत्येक विषय का विश्लेषण अपने आप से कर सकेंगे।

हर छात्र अपने आप में यूनिक: रिटायर्ड विशेष पुलिस महानिदेशक मुकेश जैन कहा कि यहां उपस्थित हर एक छात्र अपने आप में यूनिक है। इस छिपि प्रतिभा को बाहर लाने के सही दिशा में कठिन परिश्रम आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इतनी प्रेक्टिस करिए कि परीक्षा कक्ष में बैठकर ऐसा ना लगे कि कुछ भी आपके लिए नया नहीं है। उन्होंने कहा हर एक पत्थर में अद्भुत मूर्ति छिपी हुई है, जिसे एक बेहतरीन मूर्तिकार बाहर ले आता है और उसी तरीके से आप सभी में अद्भुत क्षमता है, लेकिन उसको तराशने की आवश्यकता है। इसलिए जिला प्रशासन द्वारा सिविल सर्विसेज की निःशुल्क कोचिंग शुरू कर अनोखी पहल की गई है। इसका आप सभी भरपूर लाभ उठाएं।

नए डीजीपी ने दफ्तर में किए फेरबदल

भोपाल। नए डीजीपी कैलाश मकवाना के चार्ज संभालने के बाद अब पीएचक्यू में जरूरी फेरबदल शुरू हो गए है। स्टाफ ऑफिसर टू डीजीपी रहे संदेश कुमार जैन को मुक्त कर दिया गया है। उनकी जगह 1998 बैच के मलय जैन को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मलय जैन ये जिम्मेदारी सहायक पुलिस महानिरीक्षक प्रशिक्षण के साथ संभालेंगे। वहीं संदेश जैन रेडियो मुख्यालय में एसपी के पद पर पदस्थ रहेंगे।

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य विद्युत अभियंता(नि), पश्चिम मध्य रेल, डी.आर.एम. ऑफिस के पास, रानी कमलापति, भोपाल-462024 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदायें प्रतिष्ठित ठेकेदारों से, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से आमंत्रित की जाती है। **निविदा क्रमांक:** बीपीएल/एलसी/टी/652. **कार्य का विवरण: बीना - कटनी तीसरी लाइन परियोजना के संबंध में दमोह यार्ड में ओएचई और पोर्टल के डिजाइन, आपूर्ति, निराकरण, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग सहित मौजूदा ओएचई में संशोधन। कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 6 माह। **अनुमानित कीमत:** ₹ 35,46,842.52. **बयाना राशि:** ₹ 71,000/-. **टेंडर फार्म की कीमत:** निल। **टेंडर बंद होने की दिनांक:** 30.12.2024 (15.00 बजे)। ई-निविदा की पूर्ण जानकारी IREPS की वेबसाइट **ireps.gov.in** पर एवं इस कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है। ई-बिड के अलावा कोई भी निविदा मान्य नहीं होगी। इस प्रकाशन में शुद्धिपत्र/संशोधन, यदि हो तो केवल उपर्युक्त वेबसाइट मे ही दिखाई देगा और इसे कहीं और प्रकाशित नहीं किया जायेगा।

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

संपादकीय

जीएसटी पर गहन होमवर्क की जरूरत

हाल में खबरें आई कि इक्कीस दिसंबर को जीएसटी काउंसिल की बैठक में वस्तु एवं सेवा कर की दरें कुछ वस्तु पर बढने वाली हैं। जीएसटी ढांचे को उपयुक्त बनाने की अनुशंसाओं के लिए बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में गठित राज्यों के वित्त मंत्रियों की समिति के बारे में खबर है कि उसने अपनी अनुशंसाओं को अंतिम रूप दे दिया है। उसने 148 वस्तुओं की कर दरों में भी महत्त्वपूर्ण बदलाव किए हैं। मगर यह प्रक्रिया क्यों अपनाई जा रही है? इसकी कम से कम दो बड़ी वजह हैं। पहली, बीते वर्षों में यह व्यवस्था अपेक्षित प्रदर्शन कर पाने में नाकाम रही। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि दरों को कम करने में अपरिपक्वता बरती गई। गत वित्त वर्ष में क्षतिपूर्ति उपकर सहित कुल कर संग्रह कमोबेश उतना ही रहा जितना राजस्व जीएसटी के पहले उन करों से हासिल होता था जिन्हें जीएसटी ढांचे में समाहित कर लिया गया। दूसरा, क्षतिपूर्ति उपकर जिसे जीएसटी के क्रियान्वयन के बाद केवल पांच सालों तक वसूल किया जाना था, उसकी अवधि बढ़ाई गई ताकि कर्ज चुकाया जा सके और कोविड महामारी के दौरान राज्यों को हुई राजस्व हानि की भरपाई की जा सके। एक अन्य मंत्री समूह इस पहलू पर विचार कर रहा है। जीएसटी परिषद अगर दोनों मंत्री समूहों की अनुशंसाओं पर चर्चा करने के पश्चात बदलाव करेगी तो बेहतर होगा और कम से कम उथलपुथल की स्थिति बनेगी। दरों को औचित्य भरा बनाने में परिषद का प्राथमिक उद्देश्य राजस्व-तटस्थ दर पर जाना होना चाहिए। करों की स्लैब संख्या को भी कम किया जाना चाहिए। वित्त मंत्रालय द्वारा संसद को दी गई जानकारी के मुताबिक 2023-24 में जीएसटी की औसत दर 11.6 फीसदी थी। जीएसटी लागू करते समय विशेषज्ञ समिति द्वारा सुझाई गई राजस्व-तटस्थ दर 15 से 15.5 फीसदी थी। कम औसत कर दर ने राजस्व संग्रह पर असर डाला है। बताया जा रहा है कि समिति का इरादा है कि तंबाकू से बने उत्पादों तथा गैस वाले पेय पदार्थों पर 35 फीसदी की दर से कर लगाया जाए। इससे स्लैब और बढ़ जाएंगी। इतना ही नहीं, इसका इरादा टैक्सटाइल उत्पाद पर उनकी कीमत के मुताबिक अलग-अलग कर लगाने की अनुशंसा करने का भी है। अन्य उत्पादों के लिए भी ऐसी ही अनुशंसाएं की जा सकती हैं। इससे कर ढांचा और जटिल हो सकता है तथा इनपुट क्रेडिट से जुड़े विवाद बढ़ सकते हैं। मंत्री समूह जीएसटी को प्रगतिशील बनाना चाहता है। बहरहाल, अप्रत्यक्ष कर ढांचे में इसे हासिल करने की सीमा है। जरूरत इस बात की है कि ढांचे को सहज बनाने पर काम हो। इससे न केवल छोटे कारोबारियों के लिए कारोबारी सुगमता में सुधार होगा बल्कि राजस्व बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। परिषद को अतीत की गलतियां दोहरानी नहीं चाहिए जो आज भी कर ढांचे को प्रभावित कर रही हैं। सरकार ने संसद को भी सूचित किया है कि एक ओर जहां विभिन्न दरों पर कर संग्रह का आकलन नहीं किया जा सकता वहीं अनुमान दर्शाते हैं कि गत वित्त वर्ष 70-75 फीसदी जीएसटी संग्रह 18 फीसदी के स्लैब से आया। 12 फीसदी के स्लैब से सिर्फ 5-6 फीसदी राजस्व प्राप्त हुआ। ऐसे में 12 फीसदी की दर को 18 फीसदी में मिला देने से कोई खास उथल पुथल नहीं होगी। ऐसी अन्य संभावनाओं पर भी विचार किया जाना चाहिए। कुल मिलाकर परिषद के लिए यह अहम है कि वह सभी सूचनाओं का सावधानी से परीक्षण करे ताकि जीएसटी ढांचे को ऐसा सहज बनाया जा सके जिससे सरकार समेत सभी अंशधारकों को लाभ हो और जीएसटी का खौफ न हो।

भगवान मूर्तियों में मौजूद नहीं है। आपकी भावनाएं ही आपका भगवान हैं। आत्मा तुम्हारा मंदिर है।

-चाणक्य

आज का इतिहास

- 2012- मिस्र में प्रदर्शन के दौरान 7 लोग मारे गये और 770 घायल हुए।
- 2008- केन्द्रीय बैंक ने रेपो रेट और रिवर्स रेट में एक प्रतिशत की कटौती की।
- 2007- आस्ट्रेलिया के स्कूलों में सिक्ख छात्रों को कृपाण साथ ले जाने और मुस्लिम छात्राओं को कक्षाओं में हिजाब पहन कर जाने की इजाजत मिली।
- 2002- स्पेन के कार्लोस मोया को 'एटीपी यूरोपियन प्लेयर आफ़ द इयर' ख़िताब दिया गया।
- 2001- अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान हथियार डालने पर सहमत।
- 1999- इंडोनेशियाई जेल से 283 क़ैदी फ़रार।
- 1998- बैंकॉक में 13वें एशियाई खेलों की शुरुआत, इटली को हराकर स्वीडन लगातार दूसरी बार डेविस कप विजेता बना।
- 1997- क्योटो (जापान) में अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन प्रारम्भ।
- 1992- अयोध्या का विवादित बाबरी मस्जिद ढांचा गिराया गया।
- 1990- युद्ध टालने के प्रयासों के तहत इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने इराक और कुवैत में बंधक बनाये गये सभी विदेशी बंधकों की रिहाई का आदेश दिया।
- 1983- इजरायल की राजधानी यरुशलम में बस धमाके में छह नागरिकों की मौत।
- 1978- यूरोपीय देश स्पेन में संविधान को अंगीकार किया गया।
- 1946- होमगार्ड संगठन की स्थापना की गई।
- 1926- फ़िराक़ गोरखपुरी अपने साहित्यिक जीवन के आरंभिक समय में ब्रिटिश सरकार के राजनीतिक बंदी बनाए गए थे।
- 1917- फिनलैंड ने रूस से स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1907- भारत के स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित डकैती की पहली घटना चिंगरीपोटा रेलवे स्टेशन पर हुई।
- 1998- कपिल देव द्विवेदी- वेद,वेदांग,संस्कृत,व्याकरण एवं भाषा विज्ञान के अप्रतिम विद्धान थे का जन्म।

आज का कार्टून

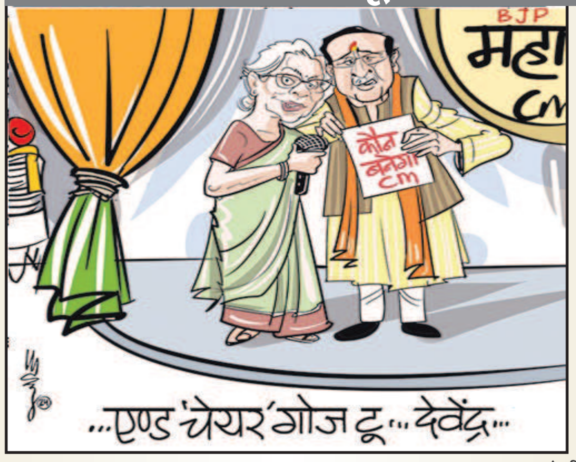

- साभार : माधव जोशी

ईमानदार कोशिश हो बांग्लादेश संकट समाधान की

■ पुष्परंजन

अगरतला स्थित बांग्लादेश वाणिज्य दूतावास पर तोड़फोड़ की घटना ने तूल पकड़ लिया है। दूतावास परिसर में प्रदर्शन, गेट तोड़ने, और झंडे का अपमान कोई भी सभ्य समाज नहीं सराहेगा। पीटीआई के अनुसार, '2 दिसंबर को अगरतला में बांग्लादेश मिशन के परिसर में कथित तौर पर 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों ने प्रवेश किया, जिससे परिसर में मौजूद लोगों में चिंता पैदा हो गई। यह रैली विश्व हिंदू परिषद से संबद्ध हिंदू संघर्ष समिति के बैनर तले निकाली गई। चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी की रिहाई, और हिन्दुओं की सुरक्षा जैसी मांगों को लेकर अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त आरिफ मोहम्मद को एक ज्ञापन सौंपा गया।' पीटीआई की रिपोर्ट से लगा नहीं, कि तोड़फोड़ की कोई घटना हुई। जब ऐसा कुछ हुआ नहीं, तो 13 लोगों की गिरफ्तारी, असिस्टेंट कमांडेंट और तीन सब इंस्पेक्टर सस्पेंड क्यों हुए, और इसके प्रकारांतर भारतीय विदेश मंत्रालय को खेद क्यों प्रकट करना पड़ा? विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में परिसर में घुसपैठ की घटना बेहद खेदजनक है। भारत सरकार नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग और देश के अन्य मिशनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कार्रवाई कर रही है।'

बांग्लादेश इस खेद प्रकाश से शांत नहीं हुआ है। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त को बुलाकर विरोध जताना और अगरतला स्थित बांग्लादेश मिशन को बंद कर, इस चिंगारी को भड़काने की कवायद शुरू हो गई है। बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रूहुल कबीर रिजवी ने अंतरिम सरकार से आग्रह किया कि वह अगरतला स्थित बांग्लादेश मिशन की सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति सेना से सहायता मांगे। ऐसा लगता है, मानो उन्हें हमारी ओर से एक ग़लती होने का इंतज़ार था। लेकिन कोलकाता में जो कुछ हो रहा है, उससे दोनों मुल्कों में डैमेज कंट्रोल की बात बेमानी हो गई। क्या बांग्लादेशी मरीज़ों का इलाज रोकना मानवाधिकार हनन की श्रेणी में नहीं आता है?

बांग्लादेश में सूचना-प्रसारण प्रभार एक ऐसे छात्र नेता के हाथों में है, जो शेख हसीना को देश से भगाने की श्लाघा को पचा नहीं पा रहा है। नाहिद इस्लाम लगातार भारत पर निशाना साधते रहे हैं, कि वह 'विभाजनकारी राजनीति और बांग्लादेश विरोधी बयानबाजी में लगा हुआ है। भारत का सत्तारूढ़ वर्ग अल्पसंख्यक विरोधी है।' नाहिद में नकारात्मकता इतनी ज्यादा है, कि ऐसे शख्स से डैमेज कंट्रोल की आशा नहीं की जा सकती। लेकिन, क्या बांग्लादेश का मीडिया सहनशील, और संयमित है? क्या फ़र्जी ख़बरें वहां प्लांट नहीं की जा रहीं? पत्रकार यदि बहुसंख्यक की तानाशाही के विरुद्ध रिपोर्ट लिखें, देखिये उनका क्या हाल होता है। ग़ुलाम रब्बानी नदीम इस साल बांग्लादेश में मारे जाने वाले दूसरे पत्रकार हैं। बांग्लादेश में ब्लॉगर्स की हत्या तो अनगिनत है। पत्रकारों को चुप कराने के लिए 'डिजिटल सुरक्षा कानून-2018' है, जिसके तहत 14 साल तक की जेल हो सकती है। इसलिए, संपादक कारावास या अपने मीडिया आउटलेट के बंद होने का जोखिम उठाने से हिचकते हैं। बांग्लादेश में सिस्टम के खिलाफ कितनी रिपोर्टें छपती हैं? आप डेली स्टार, और दूसरे अख़बारों की रिपोर्टिंग का आकलन कर लीजिये। यही अखबार भारतीय मीडिया पर सवाल उठाकर अपना 'नंबर' बना रहे हैं।

बांग्लादेश में प्रेस की आज़ादी, 'रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर' की हालिया रिपोर्ट में देख सकते हैं। 2024 के सूचकांक में 165वें पोज़िशन पर है बांग्लादेश। भारत उससे छह क़दम पीछे, 159वें पायदान पर है। श्रीलंका 150वें, दक्षिण एशिया में सबसे बदतर अफ़ग़ानिस्तान 178वें स्थान पर, नेपाल सबसे बेहतर 74वें स्थान पर दिखता है। 'द डेली स्टार' लगातार भारतीय मीडिया पर सवाल उठा रहा है। सही है, उठाना भी चाहिए। लेकिन, खुद के बहत्तर छेद भी पहले बांग्लादेशी मीडिया को देख लेना चाहिए। इससे हो यही रहा है, कि दोनों देश एक अघोषित मीडिया वॉर में फंस चुके हैं। आगे यह कितना विकृत रूप लेगा, कहना कठिन है।

अगस्त, 2020 में अमेरिका के मेरीलैंड यूनिवर्सिटी ने बांग्लादेश में फ़र्जी सूचना देने वाले मीडिया पर एक शोध कराया। शोध पत्र दिलचस्प है। लिखा है, 'सरकार के खिलाफ इन्वेस्टिगेशन करने की हिम्मत पत्रकार नहीं करते। नेता गलत सूचना और नफरत भरे भाषणों को फैलाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर रहे हैं। भारत और म्यांमार, बांग्लादेश के बीच एक सामान्य आयाम, धर्म है। बांग्लादेशः इस्लाम 90 फीसद, भारत : हिंदू धर्म 80 प्रतिशत, म्यांमार : बौद्ध धर्म 88 प्रतिशत। इन सभी देशों में, धार्मिक अल्पसंख्यक अक्सर गलत सूचनाओं की वजह से टारगेट किये जाते हैं।' चार साल में वो स्थिति बदली नहीं है। बल्कि, और बदतर हुई है।

2017 में 'फैक्ट वॉच' की शुरुआत बांग्लादेश के लिबरल आर्ट्स विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन और पत्रकारिता विभाग की पहल के रूप में हुई, जिसे ढाका स्थित अमेरिकन सेंटर से अनुदान मिला। बांग्लादेश का मीडिया कहां ठहरता है, केवल फैक्ट वाच द्वारा दी जानकारी को ही देख लें। इस संस्था ने पाया कि बांग्लादेश में पुरानी सामग्री (फोटो/वीडियो/टेक्स्ट) का दुरुपयोग होता है। झूठे और भ्रामक दावे, चरित्र हनन, एंटीवैक्सीन अभियान, स्रोतों की पुष्टि किए बिना कॉपी-पेस्ट पत्रकारिता, सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने वाले काम सबसे अधिक किए जाते हैं।

देश को संभाले हुए मोहम्मद यूनुस के 120 दिन पूरे हो रहे हैं। अर्थव्यवस्था जर्जर हो चुकी है। ये लोग जून, 2025 तक विश्व बैंक, आईएमएफ, ओपेक फंड से कुल 6 अरब डॉलर पाने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अंतरिम सरकार ने कहा है कि विदेशी मुद्रा भंडार पर मौजूदा दबाव को कम करने के लिए आईएमएफ से अतिरिक्त 3 बिलियन डॉलर का ऋण भी हमें चाहिए। बांग्लादेश से एफडीआई वाले हाथ खींच रहे हैं। 'कबीरा खड़ा बाज़ार में, लिये कटोरा हाथ' वाली स्थिति जारी रही, तो बांग्लादेश एक 'फेल्ड स्टेट' घोषित हो जायेगा। इसलिए, पब्लिक का ध्यान बंटाने के वास्ते भारत से झगड़ते रहना उनके लिए ज़रूरी हो चुका है। लेकिन, हम ऐसा मौक़ा दें क्यों?

शेख हसीना जब तक भारत में निर्वासित हैं, मोहम्मद यूनुस एंड कंपनी से सुलह होना संभव नहीं है। एक शांतिपूर्ण रास्ता यही है, कि शेख हसीना किसी थर्ड कंट्री में शरण ले। भारत, हठयोग त्याग कर इस वास्ते कूटनीतिक प्रयास करे, तो बेहतर होगा। ब्रिटेन के अलावा शेख हसीना ने सऊदी अरब और यूएई में भी निर्वासन चाहा था। यह कोशिश दोबारा से शुरू होनी चाहिए। बांग्लादेश में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना बुलाने का आह्वान आग में घी डालने जैसा ही है। सूडान ताज़ा उदाहरण है, जहां पीस कीपिंग फ़ोर्स नरसंहार और विस्थापन रोकने में विफल रही है। लगता है, तृणमूल कांग्रेस के नेता रवांडा, डीआर कांगो, कम्बोडिया, बोस्निया-हर्जेगोविना, यमन, गाज़ा, सोमालिया, इराक, सीरियन सिविल वार, और रोहिंग्या समस्या से नावाकिफ हैं, जहां शांति सेना विफल हो गई।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

गरीब कैदियों को जमानत ना मिल पाना भी अन्याय

■ जयसिंह रावत

न्याय किसी भी शासन व्यवस्था का एक अभिन्न अंग होता है और समानता उस न्याय व्यवस्था का एक मौलिक आधार है। अगर न्यायिक व्यवस्था में अमीर गरीब के भेद की गुजांइश हो तो वह व्यवस्था न केवल अपूर्ण होती है बल्कि न्याय के बजाय अन्याय को भी जन्म देती है जिसका परिणाम असन्तोष और अराजकता के रूप में सामने आ सकता है।विख्यात् फिल्म अभिनेता सलमान खान को 7 अप्रैल 2018 को जोधपुर की जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत से जमानत मंजूर होने पर मात्र कुछ ही घंटों में जेल से रिहा कर दिया जाता है तो वहीं दूसरी ओर सेंटर फॉर रिसर्च एंड प्लानिंग (सीआरपी) की एक रिपोर्ट के अनुसार-दिसंबर 2023 में ट्रायल कोर्टों द्वारा जमानत मंजूर होने के बावजूद 24,879 गरीब आरोपी जेलों में बंद थे, क्योंकि वे जमानत ब्रॉण्ड पेश नहीं कर सके। यही नहीं देश की जेलों में हजारों की संख्या में विचाराधीन कैदी बिना सजा सुनाए 5 साल से अधिक समय से सजा भुगत रहे हैं। जबकि सुप्रीम कोर्ट 2019 के एक फैसले में कह चुका है कि जमानत राशि का भुगतान न कर पाने की स्थिति में कैदियों को जेल में रखना अवैध और कैदी के संविधानिक अधिकारों का उल्लंघन है।न्यायमूर्ति अभय ओका और ए.जी मसीह की सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने जमानत राशि अदा न कर सकने वाले कैदियों को रिहा न किए जाने पर इसी महीने हैरानी जताई है। इससे पहले भी सर्वोच्च अदालत 2023 और 2021 में इस मुद्दे पर चिन्ता जताने के साथ ही सरकार को गरीब कैदियों की जमानत पर रिहाई की व्यवस्था करने का निर्देश दे चुकी थी, जिसके अनुपालन में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2023 के बजट में गरीब कैदियों के लिए जमानत पर रिहा होने के लिये वित्तीय सहायता का प्रावधान किया था।

इस योजना में जिला कलेक्टरों की अध्यक्षता वाली अधिकार प्राप्त समिति की मंजूरी के आधार पर विचाराधीन कैदियों के लिए 40,000 रुपये और दोषियों के लिए 25,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। योजना को लागू करने के लिए 23 मई 2023 को गृह मंत्री अमित शाह ने सभी मुख्य मंत्रियों को और फिर 23 अक्टूबर 2023 को गृह मंत्रालय के उपसचिव अरुण सोब्ती ने सभी राज्यों के गृह सचिवों और पुलिस प्रमुखों को पत्र लिख कर इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने को कहा था। लेकिन बावजूद इन प्रयासों के अदालत से जमानत मिलने पर भी बड़ी संख्या में गरीब कैदियों का जेल से न छूट पाना हमारी अपराधिक न्याय व्यवस्था पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह ही है।भारत की न्याय

प्रणाली निष्पक्षता और समानता के सिद्धांतों पर आधारित है। मगर व्यवहार में यह प्रणाली उन लोगों को प्राथमिकता देती है जिनके पास धन और प्रभाव है, जिससे वे कानूनी राहत को शीघ्रता से प्राप्त कर लेते हैं। जबकि आर्थिक रूप से कमजोर नागरिक जेलों में पड़े रहते हैं। न्याय भी अक्सर महंगे और सस्ते तथा सुलभ वकीलों पर निर्भर करता है, देखा जाए तो जमानत का उद्देश्य अभियुक्त के अधिकारों और अदालत में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के बीच संतुलन बनाना है। सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि न्याय का सिद्धान्त तब तक किसी आरोपी को निर्दोष मानता है जब तक अपराध सिद्ध न हो जाए। सन् 2023 की एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार उस समय भारत की जेलों में 5,73,000 से अधिक कैदियों में 75 प्रतिशत से अधिक ऐसे विचाराधीन हैं जिन पर आरोप सिद्ध नहीं हुए थे।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की नवीनतम् जेल सांख्यकी के अनुसार 31 दिसम्बर 2021 को भारतीय जेलों में कुल 4,27,165 विचाराधीन कैदी थे जिनमें से 11,490 कैदी अदालत से जमानत मिलने पर भी जेलों में निरुद्ध थे। इन विचाराधीन बंदियों में 382 महलाएं भी थीं। इन विचाराधीन बंदियों में 1,07,946 अनपढ़ कैदी थे जिन्हें अपने अधिकारों और न्यायिक प्रकृया का ज्ञान ही नहीं था। न्याय पर रुतबे और धन का जीता जागता उदाहरण फिल्म अभिनेता सलमान खान का 2018 का मामला है।

जमानत पर रिहा न हो सकने वाले कैदियों की लंबी हिरासत का उन पर और उनके परिवार पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। उनके परिवार मुख्य कमाने वाले को खो देते हैं और वे गरीबी में और गहरे धंस जाते हैं। बच्चों को अक्सर स्कूल छोड़ना पड़ता है। जबकि परिवार जेल में बंद अपने प्रियजनों के कारण कलंक और अलगाव झेलते हैं। ऐसे गरीब बंदियों के परिवार का विभिन्न तरीके से शोषण के मामले भी प्रकाश में आए हैं। भीड़भाड़ वाली, अमानवीय परिस्थितियों में रहना और भविष्य की अनिश्चितता उनकी गरिमा और न्यायिक प्रणाली में विश्वास को नष्ट कर देती है। बरी होने पर उनका जीवन आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से अक्सर बहुत प्रभावित हो चुका होता है। जेलें बीमारियों का घर होती हैं। कई विचाराधीन कैदी लम्बे समय बाद जेल से छूट तो जाते हैं लेकिन वे घर पहुंचते हैं तो उनके साथ असाध्य रोग भी होते हैं।गरीब कैदियों की लंबे समय तक हिरासत को रोकने के लिए कानूनी प्रावधान मौजूद हैं लेकिन उनका क्रियान्वयन अपर्याप्त है। पुरानी दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 436ए उन विचाराधीन कैदियों की रिहाई को अनिवार्य करती है, जिन्होंने उनके आरोपित अपराध की अधिकतम सजा का आधा समय जेल में बिताया जा चुका है। इसी प्रकार, 2005 में मामलों को तेजी से निपटाने और अदालतों पर बोझ कम करने के लिए दोष-स्वीकृति को पेश किया गया था। हालांकि, इन प्रावधानों का उपयोग बहुत कम होता है। जमानत के लिए आर्थिक स्थितियों पर विचार किए बिना केवल वित्तीय जमानत पर निर्भर रहना दंडात्मक प्रणाली को बढ़ावा देता है।

गरीबों के लिए कानूनी सहायता सेवाएं, जो उनकी मदद करने के लिए बनाई गई हैं, अक्सर संसाधनों की कमी से जूझती हैं और व्यक्तिगत बांड या सामुदायिक गारंटी जैसे विकल्पों की वकालत करने में विफल रहती हैं।

भारत की न्याय प्रणाली एक चौराहे पर है। गरीब कैदियों की लगातार कैद, कानूनी प्रावधानों और सरकारी योजनाओं के बावजूद, संवैधानिक आदर्शों को व्यवहार में बदलने में विफलता को दर्शाती है। आर्थिक स्थिति को आजादी तक पहुंच के लिए बाधा नहीं बनने देना न्यायपालिका में विश्वास बहाल करने के लिए आवश्यक है। गरीब कैदियों की दुर्दशा समाज में व्याप्त गहरी असमानताओं की याद दिलाती है। यह नीति-निर्माताओं, कानूनी पेशेवरों और नागरिक समाज के लिए एकजुट होकर एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत् प्रणाली बनाने का आह्वान है। सच्चा न्याय तभी संभव है जब हर व्यक्ति, चाहे उसकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, अपने अधिकारों तक समान पहुंच रखे।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

स्कूल बसों और ओवरलोडिंग करके चलने वाले वाहनों पर आरटीओ ने की चालानी कार्यवाही, 1 लाख 4 हजार रुपए का जुर्माना वसूला

नर्मदापुरम/सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

संभाग आयुक्त एवं कलेक्टर के निर्देश पर आरटीओ वाहन जांच अभियान अधिकारी श्रीमती निशा चौहान के नेतृत्व में सिवनी मालवा एवम डोलरिया में गुरुवार को सिवनी मालवा और डोलरिया में सघन जांच अभियान चलाया गया। जिसमें सभी प्रकार के यात्री, स्कूल एवम मालवाहक वाहनों की जांच एवम दस्तावेजों को देखा गया, 4 ओवरलोड डंपर, 1 बिना पीयूसी, 1 स्कूल बस क्रमांक MP05ZE8731 बिना परमिट पाई गई, इसके अलावा अन्य वाहनों में कमी पाए जाने पर कुल 27

वाहनों पर चालानी कार्यवाही करते हुए कुल राजस्व 104000 लाख रुपए वसूला गया, 1 अन्य इलेक्ट्रिक वाहन जिसे बिना अनुमति बदलाव करते हुए निर्माण करके सड़क पर चलते हुए पाए जाने पर जप्त कर आरटीओ कार्यलय में खड़ा करवाया गया,

वाहनों में कमी पाए जाने पर सख्ती के साथ होगी जांच डाल

आरटीओ अधिकारी श्रीमती निशा चौहान ने बताया कि किसी भी वाहनों में कमी पाए जाने पर सख्ती के साथ आरटीओ जांच डाल द्वारा कार्यवाही लगातार की जा रही है, वाहनों को पूर्णतः ठीक स्थिति में संचालित करे, जांच दल ने श्रीमती निशा चौहान के नेतृत्व में समस्त जांच दल शामिल रहा।

गांवों में रोजगार नहीं, श्रमिक पलायन को मजबूर, जेसीबी मशीनों से कराए जाते हैं कार्य

दुर्घटनाओं से नहीं लिया सबक जान जोखिम में डालकर ढो रहे मजदूर

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

ब्लॉक में मालवाहकों में मजदूरों को ढोने का सिलसिला जारी है, जबकि इससे कई बार हादसे हो चुके हैं और मजदूरों की जान भी गई और कुछ अपंग भी हुए हैं हादसे होने के बाद भी कोई सबक नहीं ले रहा है। गौर करने वाली बात ये है कि नगर प्रशासन भी इस ओर बेखबर बना हुआ है। पंचायतों में रोजगार नहीं मिलने से हर दिन बड़ी संख्या में ग्रामीण मजदूर दूसरे शहर के लिए पलायन करते हुए दिख रहे हैं। जिन्हें मालवाहकों में भेड़-बकरी की तरह भरकर ले जाया जा रहा है। मजदूरों का कहना है कि मनरेगा के तहत ग्राम पंचायतों में होने वाले कार्य जिम्मेदारों द्वारा मशीनों से करवा दिए जाते हैं और फर्जी मस्टर लगाकर राशि आहरित कर ली जाती है। गांव में काम नहीं मिलने से वे दूसरे शहर में जाने को मजबूर हो रहे हैं बीते दिनों सुबह करीब 8 बजे से लेकर 10 बजे तक कई मालवाहकों से मजदूरों को ढोते हुए देखा गया। हालांकि ऐ हर दिन का हाल है। ये मजदूर जबलपुर जिले जा रहे थे मजदूर राहुल केवट, पुष्पा बाई, गौरा बाई, अमन केवट, संजय ठाकुर, रामकुमार सिंह मनोज गौड़ ने बताया कि जब ग्राम पंचायत में काम नहीं मिलता है और यदि मिला भी तो सिर्फ 1 से 3 दिन के लिए। ऐसे में उनके परिवार का गुजारा कैसे चलेगा। इसलिए वह सभी दूसरे शहर मजदूरी करने के लिए जा रहे हैं।

पंचायतों में अधिकतर काम मशीनों से हो रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर काम मांगते हैं, लेकिन वह भी अनसुना कर देते हैं। हम मजदूरों की फरियाद कोई सुनने वाला नहीं है। ब्लॉक की 62 पंचायतों में ऐसे ही हाल है

100 दिन की योजना में 10 दिन भी नहीं काम

शासन द्वारा चलाई गई मनरेगा योजना के तहत ग्रामीणों को 100 दिन कार्य देने का प्रावधान है जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सके और उनके परिवार का भरण पोषण हो सकें लेकिन ब्लॉक की लगभग सभी ग्राम पंचायतों में सरपंच सचिव जेसीबी मशीनों से काम करा लेते हैं जिससे स्थानीय लोगों को मजदूरी नहीं मिलने के कारण उन्हें अन्य जिलों व शहरों में पलायन करना पड़ रहा है मजदूरों कहना है कि गांव में 100 दिन तो छोड़ो दस दिन भी काम नहीं मिलता है अंशुल यादव पप्पू अहिरवार बलराम गौड़ रामकुमार केवट ने बताया कि आज तक काम नहीं मिला लेकिन फर्जी मस्टररोल पर हम सभी गांव के लोगों का नाम होता है और कागजों में हम लोग ग्राम पंचायत में काम करते हुए दिखाई देते हैं

मजदूरों की जान जोखिम में डालकर जानवरों की तरह लोडिंग वाहनों से ढो रहे रहे, जिम्मेदार मौन

प्रतिदिन बस स्टैंड से तेन्दूखेड़ा ब्लाक के चारों ओर से दर्जनों लोडिंग वाहनों में सैकड़ों मजदूर मजदूरी करने निकलते हैं और शाम को वापस लौटते है लोडिंग वाहनों में खड़े होने भी जगह नहीं रहती फिर भी मजदूर मजबूरीवश इस तरह का सफर करते हैं और अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं इन मजदूरों से जब पूछा गया कि यदि आपको काम नहीं मिलता तो इसकी शिकायत अधिकारियों से क्यों नहीं की तब मजदूरों ने बताया कि शिकायत तो कई बार की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

मालवाहकों में मजदूरों को ढोए जाने के संबंध में पुलिस, आरटीओ से लेकर प्रशासन के अधिकारियों को जानकारी है लेकिन किसी ने भी कार्रवाई करने की जहमत नहीं उठाई है। हां इतना जरूर है कि पिछले जब घटनाएं हुई तो पुलिस विभाग ने एक-दो मालवाहकों पर कार्रवाई कर इतिश्री कर ली।

आज-कल आकाश में दिखेगी बेहद खास खगोलीय घटना

नर्मदापुरम। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त विज्ञान प्रसारिका शिक्षिका सारिका घारु ने बताया शुक्रवार 6 दिसम्बर एवं शनिवार 7 दिसम्बर की शाम आकाश में बेहद खास खगोलीय घटना दिखने जा रही है, जिसमें सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह जुपिटर या बृहस्पति इस साल के लिये पृथ्वी के सबसे नजदीक आकर सबसे तेज चमक के साथ अपेक्षाकृत बड़ा दिखने जा रहा है । इस बारे में जानकारी देते हुये नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि शुक्रवार को जुपिटर इस साल के लिये पृथ्वी के सबसे नजदीक होगा । इस घटना को जुपिटर

एट पेरिजी कहते हैं । इस समय जुपिटर की पृथ्वी से दूरी लगभग 61 करोड़ 17 लाख 61 हजार किमी होगी । इस तरह गुरूदर्शन का यह सबसे अच्छा अवसर होगा जबकि इसे पास होने के कारण सबसे अधिक चमकीला और अपेक्षाकृत बड़ा देख पायेंगे । इस घटना के अगले दिन शनिवार (7 दिसम्बर) को जुपिटर एट अपोजीशन की खगोलीय घटना होने जा रही है । इसमें सूर्य की परिक्रमा करती हुई पृथ्वी इस स्थिति में आ जायेगी कि पृथ्वी के एक ओर सूर्य होगा तो दूसरी ओर जुपिटर । इस तरह जुपिटर, पृथ्वी और सूर्य एक सरल रेखा में होंगे । सारिका ने बताया कि आप जुपिटर को शाम को चमकते हुये पूर्व दिशा में देख सकते हैं , लेकिन अगर आप टेलिस्कोप से देखेंगे तो इसकी डिस्क की पटिटकाओं को तथा इसके मून को भी देख पायेंगे. इस घटना के समय जुपिटर माईनस 2.8 के मैग्नीटयूड से चमक रहा होगा ।

होम साइंस कॉलेज में एनसीसी दिवस मनाया

नर्मदापुरम। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में एनसीसी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन, डॉ. हर्षा चचाने ने मंच पर अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की। मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत सत्कार एनसीसी प्रभारी डॉ. कीर्ति दीक्षित एवं शैलेंद्र तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने एनसीसी कैडेट्स का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, देशभक्ति और साहस की भावना विकसित करता है। एनसीसी युवाओं में नेतृत्व, समय प्रबंधन, टीमवर्क और निर्णय लेने का गुण जागृत करता है, एनसीसी कैडेट्स को सेना और पुलिस सहित कई सरकारी नौकरी में लाभ मिलता है। राष्ट्रीय केडेट कोर युवा भारतीयों को सशस्त्र बलों में शामिल एवं प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। महाविद्यालय में संचालित इकाई केडेट्स अत्यंत सक्रिय भूमिका में अपने कर्तव्यों का परिवहन करती हैं, एनसीसी केडेट्स महाविद्यालय में संचालित विभिन्न कार्यक्रम एवं शासन द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु एक सजग प्रहरी का कार्य करती है । कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार कुमारी महक चौहान, कुमारी विशाखा शर्मा, कुमारी आयुषी पांडे ने किया। कार्यक्रम में कुमारी सुहानी सौर, कुमारी अंजली मौर्य ने एनसीसी के महत्व को बताते हुए भाषण दिया। मुस्कान गौर, तेजस्वी कीर, नंदिनी वर्मा, वंशिका गौर, दिव्या यादव, कविता कुशवाहा, संजना यादव, रानी, अंजली, सलोनी दायमा, दिव्या यादव, तनीषा कीर, स्नेहा शर्मा, आकांक्षा दायमा, पायल कहार, पूनम धुर्वे, पूनम शर्मा, वैष्णवी शर्मा, कामना शर्मा ने नृत्य की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में डॉ. पुष्पा दुबे, डॉ. श्रुति गोखले, डॉ. आर बी शाह, डॉ. वैशाली लाल, डॉ. संगीता पारे आदि मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने दी न्यायाधीश दुग्गल को विदाई

सिवनी मालवा। स्थानीय न्यायालय मे पदस्थ सीनियर डिवीजन न्यायाधीश श्रीमती साहंगी दुग्गल का स्थानांतरण कटनी न्यायालय मे हो जाने के बाद उन्हे न्यायालय परिसर मे विदाई कार्यक्रम आयोजित कर उन्हे अधिवक्ता संघ ने विदाई दी। न्यायालय परिसर मे आयोजित विदाई कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती तबस्सुम खान ने कहा कि विदाई कार्यक्रम मे हमारे मिश्रित

भाव सामने आते है हम सभी उन्हे बहुत याद करते रहेंगे। न्यायाधीश श्रीमती दुग्गल मे एक न्यायाधीश के सभी गुण मौजूद है। जो बहुत कम लोगो मे देखने मे मिलता है उनका व्यवहार सभी के साथ सोहार्दय पूर्ण रहा है। उनसे किसी को कोई शिकायत नही रही। दुग्गल जी के साथ बिताये हर क्षण मुझे याद रहेंगे। उन्होंने अपनी और से तथा अपने न्यायालय परिवार की और से शुभकामनाये दी।इस दौरान मुख्य अतिथि श्रीमती साहंगी दुग्गल ने अपने उदबोधन मे कहा कि आप सभी ने ऐसा लगने नही दिया कि हम परिवार से दूर है यहां आकर मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है। व्यवहार न्यायाधीश के पहले व्यवहार शब्द लगा है। जिसको मेरे द्वारा प्राथमिकता दी जाती रही है और आगे भी दी जाती रहेगी। प्रकरणो के निराकरण मे सामंजस्य रखना जरूरी होता है। यहां मे सभी का एकदूसरे के लिए घर जैसा व्यवहार देखा है जिससे कभी ऐसा नही लगा कि हम अपने घर से दूर है । कार्यक्रम को अधिवक्ता संघ अध्यक्ष राजेश मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता एम एस पाटनी, ओ पी शर्मा, विनोद शर्मा, विकास पाठक, विनय सिम्पी ने भी सम्बोधित किया। अधिवक्ता संघ ने न्यायाधीश श्रीमती साहंगी दुग्गल को स्मृति चिन्ह भेट किया। विदाई कार्यक्रम मे सभी अधिवक्ता एवं न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे।

अस्पताल की सुविधाओं को लेकर नर्मदा में जल सत्याग्रह कर रहे हैं कांग्रेस नेता गजानन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जनता की सेवा के लिए समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ता व मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल युवा ब्रिगेड के अध्यक्ष गजानन तिवारी अपने कहे अनुसार गुरुवार को नर्मदा के जल में उतर पड़े और अपने साथियों के साथ जल सत्याग्रह शुरू कर दिया. अध्यक्ष बरसों से इटारसी के शासकीय चिकित्सालय डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी में मूलभूत सुविधाओं को लेकर कांग्रेस सेवादल युवा बिग्रेड के प्रदेश अध्यक्ष गजानन तिवारी पूर्व में भी कई बार विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। भूख हड़ताल से लेकर उन्होंने सभी पेतरे अपना लिए लेकिन उनकी मांगों पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। दिनांक 4 दिसंबर को उन्होंने नर्मदापुरम में मीडिया से

मुख़ातिब हुए और कहा कि दिनांक 5 दिसंबर को दोपहर 12 बजे अपने साथियों के साथ जल सत्याग्रह करेंगे और जब तक यह सत्याग्रह ज़ब तक नहीं टूटेगा तब तक हमारी मांगे मान नहीं ली जाएगी।

सत्याग्रह स्थल पर सिटी मजिस्ट्रेट बृजेश रावत, नायब तहसील, एनडीआरएफ की टीम और पुलिसकर्मी मौजूद रहे। कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष कपिल फौजदार भी सत्याग्रह स्थल पर पहुंचे और सत्याग्रह स्थल पर पहुंचे पूर्व विधायक पं. गिरजा शंकर शर्मा सिटी मजिस्ट्रेट से बात करते रहे कि सत्याग्रह को खत्म कराया जाए और मांगों का निराकरण प्रशासन से कराया जाएगा। जल सत्याग्रह में गजानन तिवारी के साथ सेवादल के सदस्य एवं कांग्रेसी भी शामिल रहे।

प्राथमिक उपचार शिविर में बंदियों को बांटे गए प्रमाण पत्र

नर्मदापुरम। केन्द्रीय जेल खण्ड-अ में सेठा कैंसर हॉस्पिटल नर्मदापुरम द्वारा 03 दिवसीय फस्टएड प्राथमिक उपचार शिविर का आयोजन किया गया था। आयोजित शिविर में जेल के बंदियों को प्राथमिक चिकित्सा के आधारभूत तथ्यों एवं प्रयोग के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। संस्था द्वारा दिये गये प्रशिक्षण में सेठा कैंसर हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉ. मयंक व्यास, डॉ. दिलीप मिश्रा, कृष्ण कुमार यादव (ओटी स्टाफ), अभिषेक जैन, विनीत मेहरा (ओटी टेक्निशियन) द्वारा प्राथमिक चिकित्सा में आवश्यक सावधानियों एवं प्राथमिक बचाव (उपाय) क्या-क्या करना चाहिए इसका प्रशिक्षण दिया गया।

जिसमें दुर्घटना के समय घायल की देखभाल, सी.पी.आर, घाव की ड्रेसिंग, हृदय एवं श्वास का पुनर्चलन, मिर्गी के दौरे पर मरीज की देखभाल, हड्डी के टूटने पर एवं सर्प के काटने पर मरीज को प्राथमिक उपचार क्या दिया जाना चाहिए इस संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। आयोजित प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर सेठा कैंसर हॉस्पिटल के संस्थापक डॉ. अतुल सेठा एवं जेल अधीक्षक संतोष सोलंकी, उप जेल अधीक्षक प्रहलाद सिंह बरकडे, अष्टकोण अधिकारी हितेश बंडिया एवं मेलनर्स श्रीमती इन्दूराज साहू सहित समस्त जेल कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर के समापन अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त 100 बंदियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

मेट्रो एंकर सीएम राइज विद्यालय शासकीय कृषि उमावि पवार खेड़ा में हुए कार्यक्रम

कॅरियर गाइडेंस कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञों ने बच्चों की गाइडलाइन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम। सी एम राइज विद्यालय शासकीय कृषि उमावि पवार खेड़ा में गुरुवार को विद्यार्थियों के लिए मध्य प्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एवं संयुक्त संचालक लोक शिक्षा नर्मदापुरम द्वारा निर्देशित एवं जिला शिक्षा अधिकारी नर्मदा पुरम द्वारा दिए गए दिशा निर्देश अनुसार विद्यालय में विद्यार्थी करियर काउंसलिंग गाइडेंस शुभारंभ, संस्था प्राचार्य संदीपन नीखर ने मां, सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम की विधिवत शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रभारी श्रीमती कीर्ति तिवारी ने आज के कार्यक्रम का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं इस आयोजन को करने के पीछे शासन की क्या उद्देश्य है क्या मनसा है के बारे में जानकारी बताई एवं संस्था के वरिष्ठ व्याख्याता संतोष कुमार साहू ने बताया है कि इस गाइडेंस का एकमात्र उद्देश्य है कि आपको पढ़ाई पूरी होने के बाद कहां जॉब करने जाना है किस वर्ग में जाना है किस विधा में जाना है और किस परफॉर्मेंस में आपको कार्य करना है।

प्रहलाद गिरी ने बताया है कि आज साधन संसाधन और सुविधाओं के अपार भंडार खुले हुए हैं, भरपूर हर स्तर पर उपलब्ध है, कार्यक्रम की सहप्रभारी श्रीमती नीलिमा साहू ने बालिकाओं को लेकर उनके कैरियर मोटिवेशन को लेकर आज

के इस तकनीकी कला युग में क्या से क्या वर्क कार्य हर क्षेत्र में महिलाएं सफलता के शिखर को हासिल कर रही हैं आज पैसा, साधन संसाधन विकास व्यवस्था बहुत ही मात्रा में उपस्थित हैं परन्तु दिशा निर्देश की महती आवश्यकता है, यही विजन यही मिशन हमारा है कि आपको हम एक नया आयाम हासिल करते हुए नई दिशा नया अवसर के प्लेटफार्म उपलब्ध कराए।

इसी क्रम में संस्था प्राचार्य संदीपन नीखर जी ने कहा है कि आज फिल्म, मल्टी नेशनल बैंक कंपनी यूवी फ्लाई ओवर ब्रिज, मार्केटिंग, मल्टी नेशनल रियल स्टेट, ओर भी कई तरह के कार्यक्रम कार्य योजना कार्य संचालित हो रहे हैं जिसमें सभी सदस्यों ने अपनी अपनी रुचि क्षमता और समन्वय से संबंधित सभी पहलुओं को समझने और उनको लेकर आप बहुत कुछ कर सकते हैं और कोई न कोई भी प्लेटफार्म पर आप अपनी कामयाबी की पताका फहरा सकते हैं, बस आपको स्वयं को चयन करना है और पूरी निष्ठा समर्पण भाव और परिश्रम लगन मेहनत से आप अपनी मन पसंद क्षेत्र को आप अपना करियर बना सकते हैं।क्योंकि आज गुगल, मोबाइल, लेप टॉप,और भी न जाने कितनी अत्याधुनिक सुविधाओं साधन संसाधन से पूरा बाजार भरा हुआ है बस आप को दिशा तय करना है तो आपकी दशा परिवार की घर की सफल सार्थक हो सकती है, आज की इस कार्यशाला का एक मात्र उद्देश्य हैं कि आप अपनी पढ़ाई पूरी कर कुछ न कुछ बनने का सपना देखना बहुत जरूरी है,क्योंकि जिद जुनून,जोश और अपार उत्साह ही आपको मुकाम पर पहुंचा सकता है।

ग्राम पंचायत तिलोनी के सरपंच-सचिव द्वारा लगाया जा रहा सरकार को चूना

फर्जी बिल लगाकर डकारी विकास कार्यों के लिए प्राप्त होने वाली राशि

सरपंच के परिवार और सचिव के खाते में ट्रांसफर की जा रही सरकारी राशि

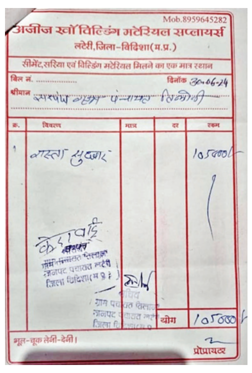

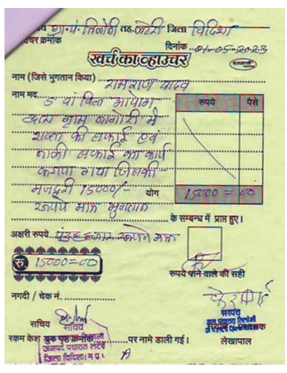

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज। लटेरी केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों के समग्र विकास के लिए राज्य वित्त और मनरेगा योजना के माध्यम से राशि उपलब्ध कराई जाती है। इस राशि को खर्च करने की गाइडलाइन भी सरकार द्वारा जारी की जाती है। पांच वें वित्त से प्राप्त राशि को वित्त आयोग की सिफारिशों के मुताबिक, ग्राम पंचायतों को साफ पानी स्वच्छता और सीसी नाली निर्माण में खर्च किया किया जा सकता हैं। लेकिन जनपद पंचायत लटेरी की ग्राम पंचायत तिलोनी सरपंच सचिव द्वारा इस राशि का दुरुपयोग मुरम वोल्डर रास्ता मरम्मत टैंकर मरम्मत कंप्यूटर मरम्मत साफ सफाई चुनाव के बिल लगाकर किया गया है। मुरम बोल्डर के नाम पर लाखों के विल लगाए गए हैं। मनरेगा योजना में भी जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वपूर्ण योजना पी एम आवास में मिलने वाली मजदूरी की राशि सरपंच सचिव द्वारा हितग्राहियों के खाते में न डालकर अपने चहते व्यक्तियों के खाते में डाल कर निकाली गई है।

अन्य व्यय के नाम पर निकाली गई लाखों की राशि

ग्राम पंचायत तिलोनी में अन्य व्यय के नाम पर लाखों की राशि निकाली गई है। ग्राम पंचायत तिलोनी में साफ सफाई के नाम पर इतनी राशि निकाली गई है कि इस राशि से ग्राम पंचायत में कई सीसी रोड़ बनाए जा सकते थे, टैंकरों की मरम्मत के नाम पर भी लाखों की राशि निकाली गई है इतनी राशि ने नए टैंकर आसानी से खरीदे जा सकते हैं। विधान सभा लोक सभा चुनाव चुनाव के नाम पर भी लाखों की राशि फर्जी तरीके से निकाली गई है। ग्राम पंचायत द्वारा मुरम बोल्डर के फर्जी विल लगाकर भी लाखों की राशि का आहरण किया गया। जबकि मुरम बोल्डर डालना नियम विरुद्ध कार्य है।

25 हजार से ऊपर के निर्माण कार्य के लिए जरूरी है टी एस ए एस

सरकारी नियमानुसार पच्चीस हजार से ऊपर के निर्माण कार्य के लिए जनपद से टेक्निकल स्वीकृति और और ग्राम पंचायत से प्रशासकीय स्वीकृति जारी करनी होती है, लेकिन ग्राम पंचायत तिलोनी में किसी भी मुरम बोल्डर वाले कार्य के लिए टी एस ए एस नहीं कराई गई है। इससे स्पष्ट जाहिर होता है कि कितने बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है। ग्राम पंचायत द्वारा रास्ता मरम्मत के नाम पर लाखों के बिल लगाए गए हैं जबकि बिना टी एस ए एस के कोई भी भुगतान नहीं हो सकता है। लेकिन ग्राम पंचायत तिलोनी द्वारा सारे नियम कायदों को मानो ताक पर रख दिया है।

सरपंच परिवार के सदस्यों और सचिव के खाते में डालकर डकार गए लाखों

ग्राम पंचायत तिलोनी में निकाली गई राशि के विल परिवार के सदस्यों के नाम और पंचायत सचिव के नाम से लगाए गए हैं, जबकि पंचायत राज्य अधिनियम के अनुसार सरपंच और सचिव के परिवार के सदस्यों के खातों में राशि डालना गैर कानूनी है। पंचायत दर्पण पोर्टल के अनुसार शिवराज यादव , रामराज यादव के नाम से लाखों की राशि का आहरण किया गया है, ये दोनो व्यक्ति सरपंच परिवार के सदस्य है। सचिव कन्हैया लाल शर्मा के नाम से भी नेट बैलेंस लाडली बहना योजना में खर्च के नाम पर राशि का आहरण किया गया है। ग्राम पंचायत तिलोनी द्वारा इस तरह फर्जी बिल लगाकर शासन को लाखों रुपए का चूना लगाया जा रहा है।

क्या कहते है जिम्मेदार

"आपके द्वारा मामला मेरे संज्ञान में आया है,अगर ग्राम पंचायत तिलोनी में इस तरह से फर्जीबाड़ा हुआ है तो निश्चित ही जांच कराई जाएगी। जांच में सरपंच सचिव दोषी पाए जाते हैं तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।"

–पंकज जैन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विदिशा

अतिक्रमण से मुक्त हुई 75 बीघा जमीन, जिसका अनुमानित मूल्य 2 करोड़ 10 लाख रुपए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा शासकीय भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने का कार्य अभियान के रूप में क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को ततसंबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए है और चिन्हित भूमियों पर किसी भी प्रकार से अतिक्रमण ना हो के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित कराने तथा अतिक्रमण से विमुक्त कराई गई भूमि का सदुपयोग व गौ-शालाओं के संवर्धन के रूप में करने के निर्देश प्रसारित किए गए है।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में गुरूवार पांच दिसम्बर को नटेरन तहसील के दो ग्रामो में कार्यवाही कर 75 बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाया गया है। एसडीएम श्री अजय प्रताप सिंह पटेल के द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार नटेरन तहसील के ग्राम ऐंचदा और पैरवासा में राजस्व एवं पुलिस के संयुक्त समन्वय से गुरूवार पांच जनवरी को संपादित की गई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई है तदानुसार

ग्राम ऐचंदा तहसील नटेरन में राजस्व एवम पुलिस के द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए सर्वे दव. 38ध्1ध्1 रकबा 6.000 हेक्टयर एबम सर्वे दव.107 रकवा 1.000 हेक्टेयर सर्वे 254 रकवा 1.508 हेक्टेयर ,सर्वे 251 रकवा 1.200 ,सर्वे 252 रकवा 0.167 कुल रकवा 9.875 हेक्टयर शाशकीय भूमि अर्थात लगभग 45 बीघा भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया जिसका अनुमानित मूल्य 1.20 करोड़ पाया गया

इसी प्रकार तहसील नटेरन के ग्राम पैरवासा में राजस्व अमला एवं पुलिस के द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए खसरा क्रमांक 415ध्1 रकवा 2.000, 415ध्2ध्1 रकबा 3.000 , 415ध्2ध्2 रकबा 1.156 कुल रकवा 6.156 हेक्टेयर भूमि अर्थात 30 बीघा शाशकीय चरनोई भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया। जिसकी अनुमानित मूल्य 90 लाख आंकलित किया गया है।

पीएम श्री प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया, जिले में कुल 13 पीएम श्री स्कूल बनाए गए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा योजना अंतर्गत विदिशा जिले में कुल 13 स्कूल बनाए गए हैं जिसकी चार चरण उपरांत सूची जारी की गई है, इस प्रकार कुल 13 शालाओं की सूची जारी की गई है, जिनमें बासौदा विकासखंड के दो स्कूल शामिल हैं जिनमें कन्या हायर सेकेंडरी मंडी बासौदा में 33 नियमित शिक्षक पदस्थ हैं तथा 1118 विद्यार्थियों का नामांकन है तथा माध्यमिक विद्यालय रसूलपुर में 08 नियमित शिक्षक पदस्थ हैं तथा 329 विद्यार्थियों का नामांकन है।

इसी प्रकार ग्यारसपुर विकासखंड के हायर सेकेंडरी स्कूल अटारी खेजड़ा में 25 नियमित शिक्षक पदस्थ हैं तथा 930 विद्यार्थियों का नामांकन है।

कुरवाई के दो स्कूल क्रमशः हायर सेकेंडरी स्कूल बरवाई में चार नियमित शिक्षक पदस्थ हंर तथा 222 विद्यार्थियों का नामांकन है तथा हायर सेकेंडरी स्कूल लायरा में 17 नियमित शिक्षक पदस्थ है तथा 667 विद्यार्थियों का नामांकन है।

लटेरी के दो स्कूल क्रमशः हायर सेकेंडरी स्कूल आनंदपुर में 19 नियमित शिक्षक पदस्थ हैं तथा 747 विद्यार्थियों का नामांकन है एवं हायर सेकेंडरी स्कूल रूसिया में 11 नियमित शिक्षक पदस्थ हैं तथा 409 विद्यार्थियों का नामांकन है।

नटेरन के तीन स्कूल क्रमशः कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल शमशाबाद में 15 नियमित शिक्षक पदस्थ हैं तथा 788 विद्यार्थियों का नामांकन है तथा हायर सेकेंडरी स्कूल पीपलधार में 18 नियमित शिक्षक पदस्थ हैं तथा 649 विद्यार्थियों का नामांकन है। माध्यमिक विद्यालय वर्धा में 6 नियमित शिक्षक पदस्थ है तथा 253 विद्यार्थियों का नामांकन है। सिरोंज के हाई स्कूल बरेज में आठ नियमित शिक्षक पदस्थ हैं तथा 285 विद्यार्थियों का नामांकन है।

विदिशा के दो स्कूल माध्यमिक विद्यालय नंदवाना में 09 नियमित शिक्षक पदस्थ हैं तथा 234 विद्यार्थियों का नामांकन है तथा प्राथमिक विद्यालय सुनपुरा में पांच नियमित शिक्षक पदस्थ हैं तथा 121 विद्यार्थियों का नामांकन है।

योजना का उद्देश्य - पीएम श्री स्कूल भारत सरकार द्वारा एक केंद्र प्रायोजित योजना है इस पहल का उद्देश्य केवीएस और एसबीएस सहित केंद्र सरकार, राज्य, केंद्र शासित प्रदेश सरकार स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंध 14500 से अधिक पीएम श्री स्कूलों को विकसित करना है। जहां प्रत्येक छात्र का स्वागत और देखभाल की जाती है। जहां एक सुरक्षित और प्रेरक सीखने का माहौल मौजूद है। जहां एक व्यापक सीखने के अनुभवों की श्रृंखला की पेशकश की जाती है और जहां सभी छात्रों के लिए सीखने के लिए अनुकूल अच्छा भौतिक बुनियादी ढांचा और उपयुक्त संसाधन उपलब्ध हैं। यह छात्रों को इस तरह से पोषित करेगा कि वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की परिकल्पना के अनुसार एक

मत्स्य पालन के लिए आवेदन आमंत्रित

सिरोंज। विदिशा मत्स्य उद्योग विभाग के सहायक संचालक महेन्द्र सिंह ने बताया कि राजीव सागर सिंचाई जलाशय मत्स्य पालन नीति 2008 के तहत 10 वर्षीय मत्स्य पालन विकास के लिए पट्टे पर दिया जाना है। अतः निर्धारित प्राथमिकता रखने वाली पंजीकृत मछुआ सहकारी समितियां, स्व सहायता, मछुआ समूह, मत्स्य पालक व्यक्ति विशेष के आवेदन 18 दिसंबर 2024 तक कार्यालय जिला पंचायत में अवकाश के दिवसों को छोड़कर आमंत्रित किए गए हैं। राजीव सागर जलाशय अंतर्गत लटेरी विकासखंड के जल क्षेत्र 138.25 हेक्टेयर में पंजीकृत मछुआ सहकारी समितियां से सहायता छुआ समूह से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। वंशानुगत मछुआ जाति, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग की पंजीकृत मछुआ सहकारी समिति यदि उक्त प्राथमिकता क्रम की समिति पंजीकृत ना हो तो उक्त प्राथमिकता क्रम की प्राथमिकता के अनुसार मछुआ स्व सहायता समूह, मछुआ समूह को दिया जाएगा। जलाशय की पट्टा राशि मत्स्य पालन नीति के तहत निर्धारित की जाएगी। आवेदन पत्र एवं विस्तृत नियम शर्तों की जानकारी कार्यालय जिला पंचायत सहायक संचालक मत्स्य उद्योग में देखी जा सकती है।

राजस्व महाअभियान के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा

प्रदेश स्तरीय रैंकिंग सूची में जिलान पिछड़े

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जिले में क्रियान्वित राजस्व महाअभियान तहत संपादित किए जा रहे कार्यों की अनुविभागवार समीक्षा की। कलेक्टर ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रदेश स्तरीय रैंकिंग सूची में विदिशा जिला पिछड़ ना पाए को ध्यान गत रखते हुए अभियान समाप्ति तक निराकरण बिंदुओं को लंबित ना रखें। कलेक्टर ने कहा कि समस्याएं गिनाने से नहीं उनका समाधान पर ज्यादा ध्यान दिया जाए जिस प्रकार प्रदेश के अन्य जिलों में कार्य हो सकते है तो विदिशा क्यों पीछे रहे। उन्होंने पोर्टल के संबंध में होने वाली दिक्कतो को रेखांकित करते हुए कहा कि यह समस्या केवल विदिशा जिले के लिए नहीं है अतः जब भी पोर्टल क्रियाशील होता है तो सभी जिले एक साथ कार्य कर पाते है।

नामांतरण में पांचवे नम्बर पर –राजस्व महा अभियान के तहत क्रियान्वित कार्यों की पृथक-पृथक जिलेवार रैंकिंग जारी हो रही है जिसके तहत नामांतरण के संबंध में संपादित किए जा रहे कार्यो के मामलो में विदिशा जिला पांचवे नम्बर पर है। जिले में कुल 1082 नामांतरण के आवेदन प्राप्त हुए है जिसमें से 1051 का निराकरण किया जा चुका है शेष लंबित 31 आवेदनों का शीघ्र निराकरण कराने के निर्देश कलेक्टर द्वारा राजस्व अधिकारियों को दिए गए है।

बटवारा – कलेक्टर ने राजस्व महा अभियान के तहत बटवारा के 129 प्रकरण प्राप्त हुए है जिसमें से 124 का निराकरण कर 96.12 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई है जिसे शत प्रतिशत हासिल करने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि बटवारा संबंधी प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में हो यदि समयावधि में नहीं हुआ तो संबंधित तहसीलदार के खिलाफ आर्थिक व दण्डात्मक दोनो कार्यवाहियां की जाएगी। जिले में लंबित पांच प्रकरणो की पृथक-पृथक समीक्षा करते हुए संबंधित तहसीलदार को सख्त हिदायत दी गई है।

कलेक्टर ने कहा कि पूर्व में क्रियान्वित राजस्व महा अभियान के तहत इस बार नवीन बिन्दु स्वामित्व योजना की प्रगति को जोडा गया है। अतः अभियान के नवीन एजेण्डा बिन्दु क्रियान्वयन में विदिशा जिला टॉप पर रहे की कार्यवाही राजस्व अमले द्वारा सुनिश्चित की जाए।

नक्शे में बंटाकन –नक्शे में बंटाकन कार्यो की जिलेवार जारी रैकिंग सूची में विदिशा जिला छटवें स्थान पर है अभियान अवधि के दौरान 75049 नक्शो में बंटाकन कार्य किया जाना है। अब तक की उपलब्धियों से अनुविभागवार जानकारियां सांझा की गई है।

कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री के कार्यो की भी समीक्षा की और प्रदेश स्तरीय रैकिंग सूची में विदिशा जिला बारहवे स्थान पर होने पर असंतोष जाहिर करते हुए कहा कि अभियान में यह नवीन एजेण्डा शामिल किया गया है अतः शत प्रतिशत किसानो की फार्मर रजिस्ट्री हो जिसके आधार पर ही सभी प्रकार की योजनाओं का लाभ किसानो को मिल सकेगा। अतः इस कार्य में किसी भी प्रकार की चूक किसी भी स्तर पर ना हो का विशेष ध्यान रखा जाए ततसंबंध में सभी राजस्व अधिकारियों को मॉनिटरिंग कर हर रोज की रिपोर्ट कलेक्टेऱ्ट कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत संपादित किए जाने वाले कार्यो की भी समीक्षा की गई। विदिशा जिला प्रदेश में आठवे स्थान पर है जिले के 7195 किसानो के आवेदन अभियान अवधि में प्राप्त हुए है जिसमें से मात्र 962 आवेदनो का ही निराकरण किया गया है।

कलेक्टर ने समस्त एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार को सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि पीएम किसान सम्मानिधि संबंधी तमाम प्रकरणो का निराकरण दो दिन में कराया जाना सुनिश्चित हो। जिन किसानो के आवेदन प्राप्त हुए है के निराकरण हेतु ग्रामवार शिविर आयोजित किए जा रहे है अतः इन शिविरो में राजस्व विभाग सहित अन्य विभागो से संबंधित समस्याओं का भी समाधान कराया जाना सुनिश्चित हों।

जिले के समस्त एसडीएम समीक्षा करें

कलेक्टर ने जिले के सभी एसडीएमो को निर्देशित किया है कि राजस्व अभियान के कार्यो की समीक्षा नियमित करें। जिन पटवारियों के द्वारा कार्य नहीं किए जा रहे है उन्हें अविलम्ब दंडित करें। जिला स्तर से सिर्फ जिला स्तरीय अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी जिसमें एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार शामिल है। कलेक्टर ने राजस्व वसूली के कार्यो की ओर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वसूली लक्ष्यों की पूर्ति शत प्रतिशत हो, सीमांकन संबंधी कार्यो का अविलम्ब निराकरण हो। चरनोई भूमि जो अतिक्रमण से मुक्त कराई गई है। उस पर अगले सीजन में कोई भी फसल ना ले पाए के विशेष प्रबंध करें। कलेक्टर ने कहा कि गौ–शालाओं के गोबर को नए स्वरूप में प्रस्तुत किया जाए जैसे दीए बनाना सहित अन्य कलाकृतियों में उपयोग किया जाए। उन्होंने आजीविका मिशन के समूह को इस कार्य में लिंक कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व अधिकारी भ्रमण के दौरान स्कूल व अस्पताल का अनिवार्य रूप से निरीक्षण करें। समय पर शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित होने से बच्चे अपने आप स्कल आने लगते है। उन्होंने स्कूलो में छुट्टियों का सिस्टम जारी निर्देशो के अनुरूप क्रियान्वित करने की प्रक्रिया के संबंध में दिशा निर्देश देते हुए कहा कि भ्रमण के दौरान देखने में आया है कि संस्था के प्राचार्य ही अधीनस्थो के आवेदनों पर अवकाश स्वीकृत कर रहे है जबकि यह दायित्व संकुल प्रभारी का है। अतः अवकाश संबंधी आवेदनों पर संकुल प्रभारी की स्वीकृति के उपरांत ही कार्य संपादित किए जाए।

ईव्हीएम गोडाउन का निरीक्षण

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रौशन कुमार सिंह ने ईवीएम वीवीपैट वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा के अलावा राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारी साथ मौजूद रहे हैं।

ग्राम पंचायत निवोदिया के सचिव निलंबित

सिरोंज। विदिशा जिला पंचायत सीईओ पंकज जैन ने ग्राम पंचायत निवोदिया के सचिव अवधनारायण रघुवंशी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया है। ग्राम पंचायत ऊहर की सचिव श्रीमती मनोरमा शर्मा को ग्राम पंचायत निवोदिया के सचिव का अतिरिक्त प्रभार आगामी आदेश तक सौपा गया है। बासौदा जनपद पंचायत के सीईओ के प्रतिवेदन अनुसार ग्राम पंचायत निवोदिया के सचिव अवध नारायण रघुवंशी ने ग्राम के निवासी प्यारे लाल सिलावट की पैतृक जमीन को षडयंत्रपूर्वक अपने पुत्र के नाम पट्टा कराकर उस पर मांगलिक भवन बनाने की जगह स्वंय का अवैध मकान बनाए जाने के फलस्वरूव अवधनारायण रघुवंशी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई थी। निलंबित अवधि में अवधनारायण रघुवंशी का मुख्यालय, जनपद पंचायत बासौदा नियत किया गया है उन्हें निलंबनकाल में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

सिनर पहली बार मियामी ओपन जीत करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर-2 पर पहुंचे, सुमित नागल 95वें पायदान पर

विश्व रैंकिंग

मियामी, एजेंसी

भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल को ताजा एटीपी रैंकिंग में दो स्थान का फायदा हुआ है। इससे वह अपने करियर की सर्वोच्च्य रैंकिंग 95वें स्थान पर पहुंच गए हैं। यह साल सुमित के लिए अच्छा रहा है और वह फरवरी से लगातार शीर्ष 100 में जगह बना रहे हैं। सुमित मंगलवार से मोरक्को में शुरू होने जा रहे ग्रांप्री हसन टूर्नामेंट में चुनौती पेश करने के लिए उतरेंगे। इटली के 22 वर्षीय युवा खिलाड़ी जेनिक सिनर का मियामी ओपन में खिताब जीतने का सपना आखिरकार पूरा हो ही गया। टूर्नामेंट में दूसरी वरीय खिलाड़ी सिनर ने यहां खेले गए पुरुष एकल के फाइनल में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 11वीं वरीय बुल्जारियाई खिलाड़ी ग्रिगोर दिमित्रोव को सीधे सेटों में 6-3, 6-1 से शिकस्त दी और पहली बार इस खिताब पर कब्जा कर लिया।

तीसरे प्रयास में मिली खिताबी जीत

इटालियन खिलाड़ी सिनर के लिए मियामी ओपन जीतने का सफर आसान नहीं रहा और उन्हें तीसरे प्रयास के बाद चैंपियन बनने का मौका मिला है। इससे पहले, वह 2021 और 2023 में मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचे थे लेकिन खिताब जीतने से चूक गए थे। सिनर के लिए अभी तक यह साल बेहद शानदार रहा है और उन्होंने 2024 में अपना कुल तीसरा खिताब जीता। इससे पहले, उन्होंने साल का पहला ग्रैंड स्लेम ऑस्ट्रेलियन ओपन और फिर रोटेरडम में ट्रॉफी जीती थी। नोवाक शीर्ष पर, अल्कारेज को एक स्थान का नुकसान- पुरुष एकल विश्व रैंकिंग में सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच का दबदबा कायम है और वह नंबर एक पर स्थित हैं। लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। मियामी ओपन के फाइनल में हारने वाले ग्रिगोर दिमित्रोव को तीन स्थान का फायदा हुआ है और वह नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

गुकेश-लिरेन की नौवीं बाजी किंग Vs किंग ड्रॉ

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप फाइनल में छठा मैच बराबरी पर छूटा

सिंगापुर, एजेंसी

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के फाइनल में डी गुकेश और चीन के डिंग लिरेन का मैच किंग वर्सेज किंग पर ड्रॉ रहा। यह 9वें राउंड का मैच था। गुरुवार रात को खेले गए मुकाबले में 54 चाल के बाद दोनों खिलाड़ी ड्रॉ पर सहमत हुए। 32 साल के चीन ग्रैंड मास्टर लिरेन ने पहला मुकाबला जीता था, जबकि 18 साल के भारतीय ग्रैंड मास्टर गुकेश तीसरी बाजी में जीते थे। दूसरी, चौथी, पांचवीं, छठी, सातवीं और आठवीं बाजी ड्रॉ रही। यह लगातार छठी बाजी और मुकाबले की कुल सातवीं बाजी है, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने अंक बांटे। इस ड्रॉ के बाद दोनों खिलाड़ियों के समान 4.5 अंक हो गए हैं। जो चैंपियनशिप जीतने के लिए जरूरी 7.5 अंक से तीन अंक कम हैं।

शुक्रवार को आराम का दिन है जिसके बाद दोनों खिलाड़ी शनिवार को फिर मुकाबला शुरू करेंगे। 25 लाख डॉलर इनामी चैंपियनशिप में अब सिर्फ 5 मुकाबले बचे हैं। अगर 14 राउंड के बाद भी स्कोर बराबर रहता है, तो विनर तय करने के लिए 'फास्टर टाइम कंट्रोल' के तहत बाजियां होंगी।

किंग Vs किंग ड्रॉ क्या है?: जब किसी चेस मुकाबले के दौरान चेस बोर्ड में दोनों खिलाड़ियों के राजा ही बचते हैं, तो उसे किंग वर्सेज किंग ड्रॉ कहा जाता है। ऐसी स्थिति में किसी एक खिलाड़ी के जीतने की संभावनाएं नहीं रहती हैं। गुकेश ने कैटालान ओपनिंग की, लिरेन टाइम प्रेशर में दिखे गुकेश ने सफेद मोहरों से कैटालान ओपनिंग की। यहां भी लिरेन ने ओपनिंग से निपटने के लिए काफी समय लिया। पहली 14 चालों में गुकेश ने जहां 15 मिनट लिए। वहीं, लिरेन ने 50 मिनट लगाए। मिडिल गेम में गुकेश को 20वीं चाल में लिरेन पर दबाव बनाने का मौका मिला, लेकिन लिरेन ने बेहतरीन चालों से गुकेश को लाभ नहीं लेने दिया। एक समय लिरेन 30 मिनट से पीछे थे, लेकिन उन्होंने समय के दबाव के बावजूद सही चालें चलीं और मुकाबले को बराबरी पर ले आए। इस दौरान गुकेश ने अपने अतिरिक्त समय का उपयोग किया। 23वीं चाल में वे लिरेन से समय के मामले में पिछड़ गए। 24वीं चाल के बाद यह तय हो गया कि बाजी ड्रॉ रहेगी और अंत में ऐसा ही हुआ। आखिरी में पिछड़ने लगे थे गुकेश 41वीं चाल के बाद लिरेन को फायदा मिला और डी गुकेश पिछड़ने लगे थे। थोड़े ब्रेक के बाद 54वीं चाल में चेस बोर्ड में राजा बनाम राज की स्थिति बनी और दोनों खिलाड़ी ड्रॉ पर सहमत हो गए।

गुकेश-लिरेन का एक और मैच ड्रॉ: भारतीय ग्रैंड मास्टर डी गुकेश वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में डिंग लिरेन के खिलाफ एक बार फिर मजबूत स्थिति को जीत में बदल नहीं सके। सिंगापुर में बुधवार को दोनों के बीच 8वें राउंड का मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दोनों सा? चार घंटे चली बाजी में 51 चालों के बाद ड्रॉ पर सहमत हुए।

भारतीय टीम को 100 रन पर ढेर कर ऑस्ट्रेलिया 5 विकेट से जीता

महिला क्रिकेट: मेजबान टीम ने तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

ब्रिस्बेन. एजेंसी

मीडियम पेसर मेघन शट की घातक गेंदबाजी से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने गुरुवार को खेले गए पहले वनडे मुकाबले में भारत को पांच विकेट से शिकस्त दी। भारतीय महिला टीम ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन पूरी टीम 34.2 ओवर में 100 रन बनाकर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में पांच विकेट पर 102 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। **मेघन ने पहली बार 5 विकेट झटके...** ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज मेघन शट ने 6.2 ओवर में 19 रन देकर पांच विकेट हासिल किए और प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। मेघन ने वनडे करियर में पहली बार एक पारी में पांच विकेट चटकाए। सीरीज का दूसरा मैच रविवार को खेला जाएगा।

मेट्रो बाजार

उपलब्धि: विनिर्माण को मिल रहा बढ़ावा, देश में आया निवेश

नईदिल्ली, एजेंसी

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, औषधि क्षेत्र में पिछले साल दिसंबर तक 25,813 करोड़ रुपये का निवेश मिला। यह 17,275 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद से अधिक है। इस क्षेत्र के प्रमुख लाभार्थियों में डॉ. रेड्डीज लैब, सिप्ला, ग्लेनमार्क फार्मा, बायोकॉन और वॉकहार्ट शामिल हैं। सरकार की ओर से 14 क्षेत्रों के लिए शुरू की गई उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना से देश में दिसंबर, 2023 तक 1.06 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। कुल निवेश में औषधि और सौर मॉड्यूल का योगदान करीब आधा रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल दिसंबर तक सूचना प्रौद्योगिकी, हार्डवेयर, वाहन एवं इसके कलपुर्जे, कपड़ा और एसीसी (उन्नत रसायन सेल) बैटरी भंडारण जैसे क्षेत्रों में कम निवेश आया है। सरकार ने 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं, कपड़ा, चिकित्सा उपकरणों के विनिर्माण, वाहन, विशेष स्टील, खाद्य उत्पाद, उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल, उन्नत रसायन बैटरी, ड्रोन और औषधि जैसे 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना की घोषणा की थी। सौर पीवी मॉड्यूल क्षेत्र को मिले 22,904 करोड़ रुपये उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल में निवेश 22,904 करोड़ रुपये रहा। इस क्षेत्र से 1.10 लाख करोड़ के निवेश की उम्मीद थी। इसके लाभार्थियों में शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स, रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर, अदाणी इंफ्रास्ट्रक्चर और टाटा पावर सोलर शामिल हैं।

कोल इंडिया का उत्पादन 773.7 एमटी होने की संभावना

मुंबई, एजेंसी। कोल इंडिया लिमिटेड ने उम्मीद जताई है कि वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी 773.7 मिलियन टन (एमटी) उत्पादन करेगी, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक होगा। हालांकि, यह कंपनी के निर्धारित लक्ष्य 780 मिलियन टन से कम है। कोल इंडिया के चेयरमैन पी एम प्रसाद ने हाल ही में एक निवेशक सम्मेलन में कहा था कि साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में भूमि संबंधी कुछ उत्पादन बाधाओं के कारण कमी का अनुमान लगाया था। गौरतलब है कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 में अपना अब तक का सबसे अधिक 703.2 मीट्रिक टन उत्पादन दर्ज किया था। रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने 28-29 मार्च को उत्तर पश्चिम भारतीय तटरक्षक क्षेत्र में सुविधाओं का जायजा लिया। पहले दिन इन्होंने ओखा में होवरक्राफ्ट रखरखाव इकाई (एचएमयू) के लिए तैयार बुनियादी ढांचे का उद्घाटन किया। अगले दिन गायत्री अरमाने ने इनाज गांव वेरावल में तटरक्षक ओटीएम और विवाह घर का उद्घाटन किया। रक्षा सचिव को ओखा में आईसीजी जेट्टी निर्माण कार्य की जानकारी दी गई। एनबीसीसी ने नौरोजी नगर डब्ल्यूटीसी को सबसे बड़ी बोली के साथ 1905 करोड़ रुपये में बेचा है। पावर फाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड, सिक्यूरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और सोलर एनर्जी कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने करीब 4.8 लाख वर्ग फुट के वाणिज्यिक स्थान को खरीदा है। कंपनी ने 25 ई-नीलामियों के माध्यम से अब तक 30 लाख वर्ग फुट से अधिक के वाणिज्यिक स्थान को बेचकर 12,000 करोड़ रुपये से अधिक का बिक्री मूल्य प्राप्त किया है। उत्तर रेलवे ने स्क्रैप बिक्री में एक नया रिकॉर्ड बनाया है।

सब जूनियर नेशनल वूमेन हॉकी प्रतियोगिता में, मप्र बालिका हॉकी टीम मिजोरम को 3-2 हराकर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सब जूनियर नेशनल वूमेन हॉकी प्रतियोगिता 2024 का आयोजन सिकंदराबाद तेलंगाना में किया जा रहा है। तेलंगाना में आयोजित इस हॉकी प्रतियोगिता का सेमीफायनल मुकाबला मध्यप्रदेश और मिजोरम के मध्य खेला गया। जिसमें मध्यप्रदेश के बालिका हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन कर मिजोरम की टीम को 3-2 के करीबी अंको से परास्त कर फायनल मुकाबले में जगह बनाई। मध्यप्रदेश की तरफ से नाज नोशिन ने 13वें मिनिट में , रूबी राठौर ने 32 मिनिट में और तन्वी 56वें मिनिट में गोल किया। मिजोरम की टीम से रूथी लालावमजुअली ने तीसरे मिनिट में और कप्तान लालतलानचंगी ने 52 वें मिनिट में गोल किया। मध्यप्रदेश ने तन्वी के गोल से बढत बनाते हुये फायनल मुकाबले में प्रवेश किया। उल्लेखनीय है मध्यप्रदेश की टीम मुख्य प्रशिक्षक श्री परमजीत सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणरत है। प्रतियोगिता का फायनल मुकाबला कल दोपहर 1 बजे मध्यप्रदेश और झारखण्ड की टीम के मध्य खेला जायेगा। प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्यप्रदेश बालिका हॉकी टीम के फायनल मुकाबले में पहुंचने पर खिलाड़ियों के खेल प्रदर्शन की सराहना करते हुये अपनी बधाई दी।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

पाकिस्तानी एक्ट्रेस ने बताई आपबीती

माहिरा से लोग कहते थे 'ये नाक नहीं खतरनाक है'

'हमसफर' जैसे पॉपुलर शोज करने वालीं एक्ट्रेस माहिरा खान पाकिस्तान की जानी मानी अदाकारा हैं. माहिरा की इंडिया में भी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है. हालांकि, जब उन्होंने इंडस्ट्री में एंट्री की थी तो लोगों ने उन्हें नोज सर्जरी की सलाह दी थी. माहिरा ने एक इंटरव्यू में बताया था, अल्लाह की कसम मैं जब इस इंडस्ट्री में आई थी तो तब लोग मुझे कहते 'ये नाक नहीं खतरनाक है'. ये उस समय की बात जब हर कोई नोज सर्जरी करवाने की बात करता था और मैं ऐसे थी कि नहीं, नाक नहीं काटूंगी.

इन फिल्मों में दिखीं माहिरा: बता दें कि माहिरा को शो हमसफर से नेम-फेम मिला. उन्होंने 2011 में फिल्म बोल से करियर की शुरुआत की थी. वो बिन रोए, मंटो, हो मन जहां, वर्ना, 7 दिन मोहब्बत इन, सुपरस्टार जैसी फिल्में कर चुकी हैं. उन्होंने बॉलीवुड फिल्म में भी काम किया है. वो 2017 में आई शाहरुख खान की फिल्म रईस में लीड एक्ट्रेस के रोल में दिखीं थीं. ये फिल्म फ्लॉप हुई थी. माहिरा को ये फिल्म शाहरुख की सास की वजह से मिली थी. माहिरा ने खुद इसके बारे में बताया था. एक इंटरव्यू में कहा था-मैं शो हमसफर के लिए भारत गई थी. फिर मुझे फिल्म रईस के लिए कॉल आया था. मुझसे कहा गया कि उन्होंने मुझे टीवी पर देखा था. शाहरुख खान की मान ने मुझे हमसफर में देखा था और उन्होंने शाहरुख से कहा था कि इस लड़की को अप्रोच करो. इसके बाद मुझे वो फिल्म मिली थी. टीवी शोज की बात करें तो उन्होंने नीयत, शहर-ए-जात, सदके तुम्हारे, बिन रोए, रजिया और हम कहां के सच्चे थे जैसे पाक ड्रामा में दिख चुके हैं।

सलमान ने दी थी रणदीप को नसीहत, बात न मानने पर बेचना पड़ा घर

रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'स्वतंत्र्या वीर सावरकर' को लेकर चर्चा में बने हुए है. फिल्म को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. वहीं फिल्म में रणदीप की एक्टिंग की भी खूब तारीफ हुई है. स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की लाइफ पर बेस्ड इस का डायरेक्शन भी उन्होंने खुद किया है. इस फिल्म को बनाने के लिए रणदीप को अपना घर तक बेचना पड़ गया था। बीते दिनों एक्टर फिल्म के प्रमोशन में बिजी चल रहे थे. इस दौरान उन्होंने फिल्म के अलावा और भी कई सारी बातों का खुलासा किया. हृष्ठअङ्क को एक इंटरव्यू के दौरान रणदीप ने सलमान खान संग अपनी बॉन्डिंग को लेकर बात की. उन्होंने बताया कि भाईजान ने उन्हें हमेशा ज्यादा पैसे कमाने की राय दी है. वहीं रणदीप ने सुपरस्टार को अपना ब्रो भी बताया है. सरबजीत एक्टर कहते हैं कि हम जब भी मिलते हैं तो हमारी बातें ज्यादातर बॉडी और काम को लेकर होती है. सलमान खान ने मुझे हमेशा ज्यादा काम और ज्यादा पैसा कमाने की सलाह दी है. वे मुझसे हमेशा यही कहते हैं कि अगर मैंने अभी काम करके अपना भविष्य नहीं बनाया, तो मुझे आगे चलकर कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. एक्टर आगे कहते हैं वे मुझे हमेशा बहुत अच्छी सलाह देते हैं, लेकिन मेरे सोचने का तरीका थोड़ा अलग है. मैं उनकी सारी बातें सुनता हूं और उसे फॉलो करने की कोशिश करता हूं. मैंने खुद को पूरी तरह से तो बदल नहीं सकता लेकिन मैं फिर भी कोशिश करता हूं. वे काफी अच्छे थिंकर हैं।

जाह्नवी-शिखर पहाड़िया के रिश्ते पर बोनी कपूर ने लगाई मुहर, बनेंगे कपूर खानदान के दामाद!

जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया बॉलीवुड गलियारे में चर्चा में बने रहते हैं। दोनों को ही अक्सर एक साथ छुट्टियां मनाते और पब्लिक प्लेस पर साथ निकलते देखा जाता है। इसके बावजूद भी दोनों ने कभी अपने रिश्ते की अटकलों पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। हाल ही में बोनी कपूर ने दोनों के बारे में बात की। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। कई मौकों पर शिखर पहाड़िया को जाह्नवी कपूर की फैमिली के साथ समय बिताते हुए देखा जाता है और पब्लिक इवेंट्स में उन्हें जाह्नवी के पिता बोनी कपूर के साथ भी क्लिक किया गया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में बोनी कपूर ने शिखर के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की।

पिता बोनी ने शिखर पहाड़ियाकी जमकर तारीफ की

बोनी कपूर से हाल ही में उनकी बेटी जाह्नवी कपूर के कथित बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया। इस पर कपूर ने उनकी तारीफ करने का मौका नहीं छोड़ा। शिखर की बात पर उन्होंने आगे कहा, मैं उन्हें प्यार करता हूं। कुछ साल पहले जब वह जान्हवी के साथ नहीं थे, लेकिन मैं तब भी उनके साथ फ्रेंडली था।

क्या लगेगी उनके रिश्ते पर मुहर?

जाह्नवी के रिलेशनशिप पर बात करते हुए बोनी कपूर ने आगे कहा, मुझे यकीन था कि वह जाह्नवी के लिए कभी एक्स नहीं होंगे। वह हमेशा आसपास रहेंगे। इतना कहकर बोनी कपूर ने दोनों के रिश्ते को लेकर बड़ा हिंट दिया है। हो सकता है भविष्य में जल्द ही अटकलों पर मुहर लग जाए।

26 नंबवर की देर रात जेल रोड पर हुआ था हादसा

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलटी, युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित जेल रोड पर सागर गेरे रेस्टोरेंट के सामने गत 26 नवंबर की देर रात अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई थी। इस हादसे में कार सवार एक युवक की मौत हो गई। हादसे में घायल उसके साथियों का इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। सूरज यादव पिता धूपसिंह यादव (24) इंद्रा नगर कॉलोनी, बैरागढ़ में रहता था। वह प्राइवेट काम करता था। गत 26 नवंबर की रात वह अपने दोस्तों के साथ निशातपुरा गया था। सागर गेरे के सामने जेल रोड पर उसकी कार रात करीब दो बजे अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में उसे और उसके साथियों को गंभीर चोट आई थी। सभी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान गुरुवार रात सूरज की मौत हो गई।

बाइक को बचाने के प्रयास में पलटी बस, 15 यात्री घायल

नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित रुनाहा जोड़ के पास बडली वेयर हाउस के सामने गुरुवार शाम सडक पर मोटरसाइकिल लेकर खड़े तीन युवकों को टक्कर मारने के बाद निजी ट्रेवल्स की बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस में सवार करीब एक दर्जन यात्री घायल हुए हैं जबकि मोटरसाइकिल सवार तीनों युवकों को भी चोटें आई हैं। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बैरसिया के सरकारी व निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने बस व मोटरसाइकिल जब्त कर ली है। थाना प्रभारी कृष्णा ठाकुर ने बताया कि हादसा गुरुवार शाम करीब पौने सात बजे रुनाहा जोड़ के पास बडली वेयर हाउस के सामने हुआ। भोपाल से लटेरी के बीच चलने वाली शक्ति ट्रेवल्स की बस भोपाल की ओर आ रही थी। उसी दौरान रुनाहा जोड़ के पास मेन रोड पर तीन युवक मोटरसाइकिल लेकर खड़े हुए थे। तेज रफ्तार बस के चालक ने मोटरसाइकिल सवार युवकों को बचाने का प्रयास किया लेकिन गति अधिक होने के कारण बस सडक किनारे खड़ी मोटरसाइकिल से टकरा गई। टक्कर लगते ही मोटरसाइकिल समेत तीनों युवक वाहन समेत दूर जा फिकें जबकि निजी बस भी अनियंत्रित होकर सडक के नीचे कच्चे में उतर गई। सडक से नीचे उतरते ही बस खेत में पलट गई। बल के पलटते ही चीख-पुकार मच गई। शोर सुनते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना देकर बस से घायलों को बाहर निकाला। थाना प्रभारी का कहना है कि बस में सवार करीब एक दर्जन लोग घायल हुए हैं जबकि सडक किनारे खड़ी मोटरसाइकिल सवार तीनों युवक घायल हो गए। उनमें से एक युवक को गंभीर चोटें आई हैं। मोटरसाइकिल सवार युवकों के नाम जितेन्द्र गौर, हरिनारायण गौर व निखिल गौर बताए गए हैं। तीनों युवक ग्राम रुनाहा के रहने वाले हैं।

पल्सर बाइक डिवाइडर से टकराई, युवक की मौत

बैरसिया थाने से चंद कदमों की दूरी पर बुधवार देर रात तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर में जा घुंसी। घटना के समय थाने के बाहर पुलिस बल खड़ा हुआ था। बाइक टकराने की आवाज सुनकर पुलिस ने दौड़ लगा दी और एंबुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने चेक करन के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। हेड कांस्टेबल राम निवास ओझा ने बताया कि बृज कॉलोनी, करोंद निवासी 24 साल का गुलशन शाक्य प्राइवेट काम करता था। बुधवार को वह अपने परिचित से मिलने बैरसिया पहुंचा था। वहां से रात करीब साढ़े 12 बजे भोपाल लौट रहा था। बैरसिया थाने के पास पहुंचते ही उसकी पल्सर बाइक अनियंत्रित होकर लोहे के डिवाइडर में जा घुसी। इस हादसे में उसे गंभीर चोट थी। जिस समय डिवाइडर में बाइक घुसी उस समय बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। लिहाजा डिवाइडर में घुसते ही जोरदार आवाज आई। थाने के सामने खड़े पुलिसकर्मी आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की मदद से गुलशन को अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर गुलशन को मृत घोषित कर दिया।

अगवा ऑटो ड्राइवर का नहीं लगा सुराग, झारखंड में मिली लोकेशन

नागपुर, ग्वालियर, रायपुर में हो चुकी पतारसी, पुलिस की की अलग अलग टीम कर रही तलाश, औबेदुल्लागंज में मिले ऑटो के फुटेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित शंकर नगर से अगवा हुए ऑटो ड्रायवर और अपहरण करने वालों का अब तक कोई सुराग नहीं लगा है। चार दिन बीत जाने के बाद परिजन की चिंता ब?ने लगी है। साथ ही पुलिस ने भी चार दिन से लगातार अलग -अलग ठिकानों पर दबिश दे रही है, पर सफलता हाथ नहीं लग रही है। शुरूआती तौर पर आरोपी की लोकशन नागपुर और ग्वालियर में मिली थी। इसके बाद रायपुर और अब झारखंड में लोकेशन मिल रही है। पुलिस की एक टीम झारखंड भेजी गई है, जबकि दूसरी टीम सागर में डेरा डाले हुए हैं। आरोपी के सिम कार्ड में सागर के पते के दस्तावेज लगे हैं। इसी प्रकार दो अन्य टीम औबेदुल्लागंज और भोपाल के आसपास आरोपियों की तलाश कर रही है। उल्लेखनीय है कि शंकर नगर छोला मंदिर निवासी संदीप प्रजापति (22) ऑटो ड्रायवर है। उसके पिता सूरज भी ऑटो चलाते हैं। इलाके में रहने वाले ऑटो ड्रायवर अवकेश से संदीप की दोस्ती है। सोमवार सुबह अवकेश ने संदीप को कॉल कर बुलाया था। संदीप घर से ऑटो लेकर निकला। इसके बाद से ही घर नहीं लौटा। परिजन ने उसकी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। मंगलवार सुबह सा? 8 बजे और दोपहर करीब एक बजे संदीप की बहन वंदना व उसके पिता सूरज को कॉल कर संदीप के अगवा होने की जानकारी दी और फिरौती के रूप में एक लाख रुपए मांगे गए। पिता सूरज प्रजापति ने छोला मंदिर थाने में आरोपी अवकेश के खिलाफ अपहरण का नामजद प्रकरण दर्ज कराया है। आरोपी ने धमकी दी थी कि अगर फिरौती नहीं दी तो संदीप को मौत के घाट उतार दिया जाएगा।

अगवा संदीप प्रजापति का मोबाइल सोमवार से ही बंद है। आरोपी अवकेश का मोबाइल कभी बंद तो कभी स्टार्ट हो जाता है। आरोपी अवकेश के मोबाइल की की टॉवर लोकेशन पहले ग्वालियर व नागपुर और उसके बाद रायपुर में मिल रही थी। पुलिस की टीम नागपुर व रायपुर पहुंची, लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। इसके बाद अब आरोपी अवकेश के मोबाइल की लोकेशन झारखंड में मिल रही है। पुलिस की एक टीम सागर में भी डेरा डाले हुए है। दरअसल, आरोपी अवकेश ने मोबाइल की सिम लेते समय जो दस्तावेज दिए थे, उसमें सागर का पता मिला है।

सीसीटीवी में औबेदुल्लागंज में दिखा आटो: पुलिस ने बताया कि भोपाल में अलग-अलग स्थानों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक कर रोड मैप तैयार किया गया है। फुटेज के आधार पर ऑटो की लोकेशन औबेदुल्लागंज बता रही है। पुलिस की तीसरी टीम औबेदुल्लागंज और आसपास के इलाकों में ऑटो की तलाश कर रही है। जबकि चौथी टीम भोपाल में क्लू तलाश करने का प्रयास कर रही है। अवकेश का संदीप के घर आना-जाना था। वह पास में ही किराए से अकेला रहता था। आरोपी अवकेश का का रिकार्ड देखने पर पता चला कि वह हैदराबाद के एक थाने में अवकेश के खिलाफ 3 लाख रुपए की मशीन चोरी का प्रकरण दर्ज है।

एमआर का मोबाइल हैक, सोशल मीडिया अकाउंट पर अश्लील पोस्ट व कमेंट्स किए

कमिश्नर कार्यालय पहुंचा हैकर तो कमिश्नर के लिए भी कमेंट्स और पोस्ट किए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल। सायबर ठगी के बाद अब मोबाइल हैक करने का मामला सामने आया है। बदमाश ने निजी कंपनी के एमआर का मोबाइल हैक कर लिया। हैकर उनकी आवाज और आसपास की गतिविधियों पर आसानी से सुन रहा था। एमआर ने मोबाइल के कैमरे में टैप लगा दिया साथ ही माइक और स्पीकर बंद कर दिया। बावजूद इसके हैकर उनकी जानकारी जुटा रहा था। यह सब एमआर अनिल कुमार शिवहरे के साथ हुआ। अनिल शिवहरे ने पुलिस को बताया कि हैकर ने उनके सोशल मीडिया पर अश्लील पोस्ट और भद्दे कमेंट्स अपलोड किए है। यहां तक कि उनके बच्चों के स्कूल ग्रुप्स पर भी पोस्ट और कमेंट्स डाले गए। अनिल शिवहरे के मोबाइल से उनके दोस्तों और रिश्तेदारों के फोटो को निकाल कर उन्हें मॉर्फ कर वायरल भी किया गया। अनिल ने पुलिस को ये भी बताया कि हैकर से चैट के माध्यम से उनकी बात भी हुई तो हैकर ने ये कहा कि वह अपने परिवार का बदला ले रहा है। जिसके चलते पुलिस को भी शक है कि किसी करीबी ने ही उनका मोबाइल हैक किया है। अनिल शिकायत लेकर पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे तो हैकर ने पुलिस कमिश्नर को लेकर भी कमेंट्स किए और अनिल के सोशल मीडिया अकाउंट पर स्टेटस डाले। पुलिस कमिश्नर कार्यालय के बाद अनिल साइबर सेल पहुंचे और वहां एसीपी साइबर क्राइम के लिए भी हैकर ने सोशल मीडिया पर कमेंट्स किए। मोबाइल रीसेट करने के बाद भी अनिल का मोबाइल हैक है।

सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद बलात्कार किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हनुमानगंज स्थित होटल राजदूत होटल में 27 साल की युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता इंदौर में पढ़ाई कर रही है और पार्ट टाइम जॉब की तलाश में थी। सोशल मीडिया पर उसकी दोस्ती पिपरिया के एक युवक से हो गई। दोनों के बीच चेटिंग और फिर मोबाइल पर बात होने लगी। इस बीच करीब तीन महीने पूर्व आरोपी ने परिजन से शादी की बात करने का बहाना बनाकर बुलाकर भोपाल बुला लिया और होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया। बाद में भी आरोपी पीड़िता का शोषण कर रहा था। पुलिस के अनुसार मूलरूप से विदिशा निवासी 27 साल की युवती पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी इंदौर में कर रही थी। इंदौर में ही वह पार्ट टाइम जॉब की तलाश भी कर रही थी। इस दौरान कुछ महीने पूर्व सोशल मीडिया पर युवती की मुलाकात पिपरिया में रहने वाले शिवम रघुवंशी से हुई। उसने नौकरी दिलाने में मदद करने का आश्वासन दिया। दोनों के बीच चेटिंग और फिर मोबाइल पर बात होने लगी।

राड गले में जाकर चिपकी और लगी आग

रॉड से पानी गर्म करते समय लगा करंट, महिला की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल। हनुमानगंज थाना क्षेत्र न्यू लेवर कॉलोनी में रॉड से पानी गर्म करते समय एक महिला को करंट लग गया। रॉड महिला के गले में चिपकी थी। देखते ही देखते आग लग गई। धुंआ उठते देख ससुर ने बेटे को कॉल किया। जब तक बेटा घर पहुंचा पत्नी की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस के अनुसार 35 साल की सपना चौरसिया पति रीतेश न्यू लेवर कॉलोनी दवा बाजार के पास रहती थी। सपना गृहणी थी जबकि रीतेश निजी जॉब करता है। उनकी एक बच्ची है। यहीं पर सपना के ससुर फर्स्ट्ट फ्लोर पर रहते हैं। गुरुवार को रीतेश अपने काम पर गया था। बच्ची स्कूल गई थी। दोपहर 1 बजे सपना ने पानी गर्म करने के लिए रॉड लगाई। यहां फर्श पर पानी डला था। इससे सपना को करंट लग गया। रॉड उसके गले में चिपक गई थी। करंट के कारण आग लग गई और धुंआ उठने लगा। कुछ देर बाद बच्ची को छो?ने आया पहुंची। उसने घर से धुंआ उठते देखा। दरवाजा अंदर से बंद था। वह उनके ससुर के पास पहुंची। धुआं के बारे में बताया। ससुर ने बेटे रीतेश को कॉल किया। रीतेश घर पहुंचा। घर के पीछे बनी दीवार को फांदकर अंदर दाखिल हुआ। जब तक सपना की मौत हो चुकी थी।

जीआरपी थाने के पास नाबालिग से सरेराह छेड़छाड़

भोपाल, दोपहर मेट्रे। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित जीआरपी थाने के सामने पंद्रह साल की नाबालिग से मनचले ने सरेराह छेड़छाड़ कर दी। आरोपी पिछले कुछ दिनों से नाबालिग का पीछा कर उसे परेशान कर रहा था। पीड़िता ने परिजन को घटना की जानकारी दी और परिजन उसे थाने लेकर पहुंचे। वहां आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और पाक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार 15 साल की किशोरी स्कूली छात्रा है। उसने पुलिस को बताया कि इलाके में रहने वाला गोलू कुशवाह उसका परिचित है और वह आए दिन उसका पीछा कर उसे परेशान करता है। गत 1 दिसंबर को जीआरपी थाने के पास से गुजर रही थी, तभी आरोपी गोलू कुशवाह ने उसे रोक लिया और बात करने का दबाव बनाने लगा। पीड़िता ने उसे वहां से जाने का कहा तो वह हाथ पकड़कर अश्लील हरकत करने लगा। पीड़िता ने घर जाकर परिजन को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन उसे थाने लेकर पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

सीढ़ियों पर बैठे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित नेहरू नगर में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव सीढ़ियों पर पड़ा मिला। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार सत्य नारायण यादव पिता गोवर्धन यादव (34) मूलतः राजगढ़ जिले के ब्यावरा तहसील में एक गांव में रहता था। उसका भाई अरुण यादव यहां ए सेक्टर नेहरू नगर में रहता है और पढ़ाई करता है। सत्यनारायण अक्सर भाई के रूम भोपाल आता था। गत दिनों भी वह अरुण के कमरे पर आकर रुका था। अरुण ने बताया कि बुधवार रात सत्यनारायण अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने गया था। वहां से रात में कब आया किसी को पता नहीं। सुबह करीब सात बजे कुछ लोगों ने उसे सीढ़ियों पर बेसुध अवस्था में देखकर अरुण को बताया। अरुण बड़े भाई सत्यनारायण को लेकर अस्पताल पहुंचा, वहां डॉक्टर ने बताया कि सत्य नारायण की मौत हो चुकी है। पुलिस को अनुमान है कि सत्य नारायण की मौत हार्ट अटैक से हुई है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

मेट्रो एंकर | सरकार की योजना के विरोध में धरना ज्ञापन

झुग्गीमुक्त के नाम पर गरीबों को आवास मुक्त करने की कोशिश: पीसी शर्मा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले गरीब परिवारों को मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा हटाए जाने के विरोध में क्षेत्रीय पार्षद योगेंद्र सिंह चौहान ने नेतृत्व में धरना हुआ और प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। वार्ड 46 के शिवाजी नगर में धरने में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने रहवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा गरीबों का साथ देती हैं और कोई भी अनैतिक कार्य का समर्थन नही करती। इससे पहले पेड़ो की कटाई एवम स्मार्ट सिटी के विरोध में भी गुड्डू चौहान एवम सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध किया तो सरकार ने फैसला वापस लेना पडा। अब गरीबों के आवास की बात आई तो कहा जा रहा है कि झुग्गीमुक्त करेंगे। लेकिन असलियत यह है कि गरीबों को आवास मुक्त करने की कोशिश हो रही है। शर्मा ने कहा कि जिस जगह झुग्गी झोपड़ी है वहीं पर मकान दिया जाए अथवा उन्हें 2.50 लाख रुपए दिए जाए जिस से वह छत डाल कर पक्का मकान बना सके। धरने में पूर्व मंत्री मुकेश नायक ,राजीव सिंह, विभा पटेल, अरुण श्रीवास्तव, प्रवीण सक्सेना, शबिस्ता जकी , वरिष्ठ पार्षद योगेन्द्र सिंह चौहान ,देवांशु कंसाना आदि मौजूद थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022